आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 22 अगस्त 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 255
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

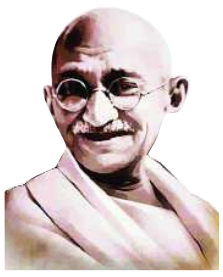

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

शहर में मच्छरों का बढ़ा प्रकोप, जिम्मेदारों की अनदेखी

पेज-2

जेवलिन थ्रोअर शिवपाल सिंह पर 10 साल का बैन

पेज-5

झोलाछाप डॉक्टरों का गढ़ बना गौतमपुरा

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- झारखंड : रामगढ़ में एक फैक्ट्री के कंट्रोल रूम में लगी आग, कई झुलसे, 3 की मौत
- आज वाराणसी जाएगा जापानी प्रतिनिधिमंडल, काशी की संस्कृति विरासत से होंगे रूबरू
- BJP राष्ट्रीय पदाधिकारियों की अहम बैठक, नितिन नबीन समेत कई बड़े नेता पहुंचे
- जयपुर : CJP की टीम से मारपीट मामले में दोनों पक्षों ने देर रात दर्ज कराई FIR
- पुणे : राहुल गांधी के कार्यक्रम से पहले पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज की FIR
- कनाडा : एडमोंटन के नानकसर गुरुद्वारे में चाकूबाजी, दो लोग घायल
- स्नौसेना के P-8A विमान ने शुक्रवार को इंटरनेशनल हवाई क्षेत्र में ताइवान स्ट्रेट से भरी उड़ान
- दिल्ली-NCR में बदला मौसम का मिजाज, सुबह-सुबह झमाझम बारिश
- दक्षिणी सीरिया के गांव में घुसी इजरायली सेना, घर की ली तलाशी
- कनाडा के साथ ट्रेड डील की उम्मीद : डोनाल्ड ट्रंप

महिला मोर्चा के बहाने इंदौर भाजपा में नई सियासी जमावट

मेंदोला-गोलू-सुमित की प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात के बाद बढ़ी हलचल, ताई समर्थक ज्योति तोमर की वापसी या नए चेहरे पर दांव ?

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा की सियासत में एक बार फिर संगठनात्मक जमावट को लेकर हलचल तेज होती दिखाई दे रही है। पूर्व एमआईसी सदस्य जीतू यादव की पार्टी में वापसी के बाद अब महिला मोर्चा अध्यक्ष की नियुक्ति ने भाजपा के भीतर चल रहे नए राजनीतिक समीकरणों को सतह पर ला दिया है। विधायक रमेश मेंदोला, विधायक गोलू शुक्ला और सुमित मिश्रा की प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात के बाद लंबे समय से अटके इस फैसले को लेकर चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है।

मामला केवल महिला मोर्चा अध्यक्ष चुनने तक सीमित नहीं है। इंदौर भाजपा में संगठन के भीतर किसकी पकड़ मजबूत है और आने वाले समय में किस खेमे को कितनी राजनीतिक जगह मिलेगी, इस लिहाज से भी इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सुमित मिश्रा और गोलू शुक्ला की जुगलबंदी का खेल !

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा काफी कूटनीतिज्ञ राजनीतिज्ञ हैं, गोलू शुक्ला ने महिला मोर्चा के अध्यक्ष के लिए माधुरी जायसवाल का नाम दिया है। लेकिन सुमित मिश्रा उन्हें अध्यक्ष बनवा पाएंगे या गोलू शुक्ला के साथ राजनीतिक खेला होगा ?

विधानसभा-3 से तीन नाम, मेंदोला समर्थक भी मैदान में

पार्टी सूत्रों के मुताबिक महिला मोर्चा अध्यक्ष पद के लिए विधानसभा क्रमांक-3 से माधुरी जायसवाल, वृंदा गौड़ और श्रेष्ठा जोशी के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। इनके अलावा विधायक रमेश मेंदोला की समर्थक मानी जाने वाली राधा राठौर का नाम भी दावेदारों में शामिल है। यानी एक ही विधानसभा क्षेत्र से तीन नामों का सामने आना अपने आप में संगठन के भीतर की प्रतिस्पर्धा को दिखाता है। यही नहीं, पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष ज्योति तोमर का नाम भी अभी दौड़ से बाहर नहीं माना जा रहा है।

ऐसा क्यों उलझा मामला?

महिला मोर्चा अध्यक्ष पद के लिए इस बार जिस तरह की कश्मकश बनी, वैसी स्थिति पहले देखने को कम ही मिली है। बताया जाता है कि मध्यप्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे के स्तर पर भी नाम को लेकर पर्याप्त सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद मामला पार्टी के वरिष्ठ नेताओं तक पहुंचा। दरअसल, नियुक्ति अब महज महिला मोर्चा के पदाधिकारी के चयन का सवाल नहीं रह गई है। इसके पीछे इंदौर भाजपा में चल रही राजनीतिक खींचतान और बदलते शक्ति-संतुलन को भी देखा जा रहा है। यही कारण है कि हर दावेदार के पीछे खड़े राजनीतिक समीकरणों को भी संगठन नजरअंदाज नहीं कर पा रहा।

ताई का प्रभाव या नया नेतृत्व?

एक विकल्प यह माना जा रहा है कि पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष और ताई समर्थक मानी जाने वाली ज्योति तोमर को दोबारा जिम्मेदारी सौंप दी जाए। उनके पास संगठनात्मक अनुभव है और भाजपा के पुराने नेतृत्व से उनके संबंध भी किसी से छिपे नहीं हैं। दूसरी ओर संगठन में एक नए चेहरे को सामने लाकर महिला मोर्चा में नई टीम खड़ी करने की रणनीति पर भी विचार हो रहा है। पार्टी यदि नया चेहरा चुनती है तो इसे इंदौर भाजपा में नई पीढ़ी और नए संगठनात्मक नेतृत्व को आगे बढ़ाने के संकेत के तौर पर देखा जाएगा।

फैसला छोटा, संदेश बड़ा

इंदौर भाजपा में महिला मोर्चा अध्यक्ष का पद भले ही संगठनात्मक दृष्टि से एक नियुक्ति हो, लेकिन इस समय इसका राजनीतिक महत्व कहीं बड़ा नजर आ रहा है। जीतू यादव की वापसी के बाद संगठन में बन रहे नए समीकरणों के बीच मेंदोला-गोलू-सुमित की सक्रियता और महिला मोर्चा की नियुक्ति को एक ही राजनीतिक तस्वीर के अलग-अलग हिस्सों के तौर पर देखा जा रहा है। अब निगाह इस बात पर है कि भाजपा नेतृत्व पुराने भरोसे को फिर मौका देता है या नए चेहरे के जरिए इंदौर संगठन में नई राजनीतिक जमावट की शुरुआत करता है। महिला मोर्चा का यह फैसला आने वाले दिनों में इंदौर भाजपा के भीतर किसकी पकड़ मजबूत हो रही है, इसका संकेत भी दे सकता है।

नगर निगम में पहली बार 5 आईएएस की पोस्टिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मप्र सामान्य प्रशासन ने शुक्रवार को 32 आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर आदेश जारी किए। इसमें एक आईएएस इंदौर नगर निगम को भी मिले हैं। इनके साथ ही अब इंदौर नगर निगम में पहली बार पांच-पांच आईएएस की पोस्टिंग हुई है। अपर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, एसडीओ स्तर के आईएएस की पोस्टिंग का लंबे समय से इंतजार था। सामान्य प्रशासन विभाग ने यह लिस्ट शुक्रवार को जारी कर दी। इसमें 32 आईएएस अधिकारी है, लेकिन इंदौर कलेक्टोरेट को फिर निराश होना पड़ा है। उम्मीद की जा रही थी कि इंदौर कलेक्टोरेट को एक आईएएस स्तर का अधिकारी मिल जाएगा, लेकिन इंदौर में अधिकारी आए लेकिन नगर निगम में।

इंदौर निगम में अब पांच आईएएस

इंदौर में साल 2022 बैच के आईएएस आशीष को पदस्थ किया गया है जो मूल रूप से बिहार के हैं। यह अभी एसडीओ सेंधवा जिला बड़वानी में पदस्थ थे। उन्हें अब इंदौर नगर निगम में अपर आयुक्त पदस्थ किया गया है। इनकी कार्यशैली मजबूत मानी जाती है। इसी के चलते इन्हें इंदौर में भी मांगा जा रहा था लेकिन यह निगम में पदस्थ किए गए। इंदौर में भागीरथपुरा कांड के बाद निगमायुक्त पद पर 2014 बैच के आईएएस क्षितिज सिंघल आए। फिर तीन आईएएस अपर आयुक्त आकाश सिंह बैच 2019, प्रखर सिंह बैच 2020 और प्रमोटी आईएएस आशीष पाठक बैच 2020 पदस्थ किए गए। इस तरह निगम में अब पांच आईएएस हो गए हैं, जो पहले कभी नहीं हुए।

कहने को आधा दर्जन आईएएस

वैसे कहने को आधा दर्जन IAS भी नगर निगम में कह सकते हैं। क्योंकि बैच 2021 के IAS अर्थ जैन भी स्मार्ट सिटी सीईओ के साथ अपर आयुक्त निगम भी है। उनकी पोस्टिंग आदेश दोनों जगह पर की गई है।

मूल रूप से अपर कलेक्टर का पद रहा है निगमायुक्त

मूल रूप से निगमायुक्त का पद अपर कलेक्टर स्तर का है। इसमें आईएएस भी निगमायुक्त रहे हैं, लेकिन वह काफी समय के लिए ही आए हैं। लेकिन जब इंदौर सफाई में नंबर वन बना तो इसके बाद परंपरा हो गई कि यहां पर सीनियर आईएएस ही निगमायुक्त आएगा और वह भी जो एक जिले की कलेक्टरी कर चुका है। मनीष सिंह के बाद यह परंपरा बनी। फिर देवास कलेक्टर के बाद आशीष सिंह को यहां लाया गया, फिर श्योपुर कलेक्टर रहीं प्रतिभा पाल, इसी तरह हर्षिका सिंह, शिवम वर्मा और इसके बाद दिलीप यादव और अब क्षितिज सिंघल को निगमायुक्त बनाया गया। समय के साथ सीनियर आईएएस को निगमायुक्त बनाने के बाद दो आईएस अपर आयुक्त दिए गए। अब पांच आईएएस हो गए हैं।

इंदौर कलेक्टोरेट अधिकारियों के लिए तरसा

उधर इंदौर कलेक्टोरेट में अपर कलेक्टर की भारी कमी है। यहां पर पांच पद अपर कलेक्टर हैं। जिसमें सामान्य तौर पर एक या दो आईएएस रहते हैं। अभी आईएएस अपर कलेक्टर पंवार नवजीन विजय है।
वहीं अपर कलेक्टर में रिंकेश वैश्य और रोशन राय है। एक निशा डामोर है लेकिन स्वास्थ्य कारण से वह अवकाश पर रहती हैं। ऐसे में केवल तीन ही अपर कलेक्टर है, इसमें भी रोशन राय का ट्रांसपर हो चुका है। हालांकि, अधिकारियों की कमी के चलते कलेक्टर ने उन्हें अभी रिलीव नहीं किया है।

स्मार्ट सिटी की 40 करोड़ की धंसी सड़क पर निगमायुक्त को कानूनी नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर स्मार्ट सिटी की गौराकुंड में धंसी 40 करोड़ की सड़क पर 'द सूत्र' ने खुलासा किया था कि सड़क के लिए धोखेबाज कंपनी तीर्थ गोपीकान को ठेका था। इसमें 32 करोड़ का भुगतान भी हो चुका है। इस पर अब निगमायुक्त को कार्रवाई के लिए कानूनी नोटिस गया है। इंदौर स्मार्ट सिटी कंपनी की चार साल पहले बनी 1.70 किमी की सड़क का एक हिस्सा पानी की लाइन टेस्टिंग में धंस गया। यह सड़क 184 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी में घिरी तीर्थ गोपीकान ने बनाई थी। इस कंपनी के मालिक महेश कुंभानी जेल में हैं। इस सड़क का काम 40 करोड़ का था जिसमें कंपनी 32 करोड़ ले चुकी है। अब कंपनी के काम को लेकर कार्रवाई की मांग पर निगमायुक्त क्षितिज सिंघल को कानूनी नोटिस गया है।

इन्होंने भेजा कानूनी नोटिस- नगर निगम इंदौर के पूर्व पार्षद और जनप्रतिनिधि दिलीप कौशल ने यह कानूनी नोटिस इंदौर निगमायुक्त को भेजा है। इसमें दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदार कंपनी के खिलाफ आपराधिक स्रद्धक्र दर्ज करने, वसूली करने और निलंबन की सख्त मांग उठाई है।

कानूनी कार्रवाई नहीं तो जाएंगे हाईकोर्ट-पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने कहा कि यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि जनता के पैसों का गबन और आपराधिक षड्यंत्र है। इसके तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 एवं अन्य कानूनों की निम्नलिखित धाराओं में सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

कंपनी को हड़हष्ट बिना कैसे दिए 32 करोड़

नोटिस में कहा गया है कि स्मार्ट सिटी ABD क्षेत्र में नागरिकों से 72.70 करोड़ का अतिरिक्त विकास शुल्क वसूला गया है। लेकिन घटिया काम हुआ है। सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला 1.7 किलोमीटर सड़क निर्माण (कुल लागत ?40 करोड़) में सामने आया है। निर्माण एजेंसी मेसर्स तीर्थ गोपीकॉन को नियमानुसार 'कम्पलीशन सर्टिफिकेट' जारी ही नहीं हुआ था, इसके बावजूद अधिकारियों की मिलीभगत से 32 करोड़ का नियम विरुद्ध अवैध भुगतान कर दिया गया।

30 कछुओं की तस्करी में पकड़े आरोपियों से पूछताछ : इंदौर से महाराष्ट्र तक फैला सप्लाई लिंक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में 30 कछुओं के साथ पकड़े गए दो आरोपियों से पूछताछ में वन विभाग को वन्यजीव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क के संकेत मिले हैं। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने कछुओं की तस्करी के आरोप में दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद 24 अगस्त तक वन विभाग की रिमांड पर लिया है। अब जांच का फोकस सिर्फ बरामद कछुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके पीछे मौजूद सप्लायर, खरीदार और दूसरे राज्यों तक फैले नेटवर्क को खंगालने पर है। शुरुआती पूछताछ में आरोपियों के संपर्क महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों से जुड़े मिले हैं। टीम यह पता लगाने में जुटी है कि कछुए कहां से लाए गए, किसके जरिए इंदौर पहुंचाए गए और आगे किन लोगों को इनकी सप्लाई की जानी थी। जांच में यदि कड़ियां जुड़ती हैं तो वन्यजीवों की तस्करी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को तख्तियां थमाकर चौराहे पर खड़ा किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को पुलिस अनोखे तरीके से सजा दे रही है। पुलिस द्वारा दी जा रही यह सजा अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। लवकुश चौराहे पर पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया जा रहा है। यहां अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार कौल एवं एसीपी जगदीश पाटिल के नेतृत्व में अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले तथा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को रोककर उन्हें ट्रैफिक नियमों की गंभीरता समझाई गई। इसके बाद उन्हें हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां देकर कुछ समय के लिए ट्रैफिक संचालन में सहयोग करने की जिम्मेदारी दी गई।

नियमों का पालन कराने के लिए अधिकारियों की सीख-ट्रैफिक अधिकारियों ने वाहन चालकों से संवाद करते हुए कहा कि जिस तरह आप यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उसी तरह यदि अन्य वाहन चालक भी नियम तोड़ेंगे तो इससे दुर्घटना की स्थिति बन सकती है अथवा ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हो सकती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारीपूर्वक ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए और दूसरों को भी नियम पालन के लिए प्रेरित करना चाहिए।

अधिकारियों की अनदेखी और प्राचार्या की मनमानी

देपालपुर की 105 छात्राएं सांदीपनि स्कूल में शिक्षा से वंचित, जर्जर कमरे में पढ़ने को मजबूर

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

शासन-प्रशासन के तमाम दावों और करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हुए भव्य भवनों के बावजूद देपालपुर में जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी और प्राचार्या की मनमानी के चलते मासूम बच्चियों का भविष्य अधर में लटका है। शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का सर्वसुविधायुक्त नया भवन बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन शासकीय प्राथमिक कन्या शाला के 1से 5 वी तक के लगभग 105 छात्राएं आज भी मूलभूत सुविधाओं से विहीन, जर्जर और बदहाल पुरानी इमारत में बैठने को मजबूर हैं।

कागजों में मर्ज, लेकिन जमीन पर भेदभाव-क्षेत्र के गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य से शासन ने मॉडल स्कूल और कन्या शाला का संविलियन (मर्ज) कर सांदीपनि विद्यालय की मंजूरी दी थी। सरकारी रिकॉर्ड और परीक्षा परिणामों में भी दोनों स्कूलों को एक ही दर्शाया जा रहा है। नया भवन बनने तक दोनों स्कूल अपनी पुरानी जगहों पर संचालित हो रहे थे। अब करीब तीन साल के इंतजार के बाद 1700 विद्यार्थियों की क्षमता वाली नई हाईटेक बिल्डिंग तैयार हो चुकी है और एक महीने से कक्षाएं भी शुरू हो गई हैं। हालांकि, प्रशासन ने मॉडल स्कूल के बच्चों को तो नए भवन में शिफ्ट कर दिया, लेकिन प्राथमिक कन्या शाला की 105 छात्राओं को पुराने जर्जर भवन में ही छोड़ दिया।

150 मीटर की दूरी पर 'बस' का अजीब तर्क

मामले में सांदीपनि विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या अमिता मुंद्रा का तर्क हैरान करने वाला है। उनका कहना है कि 'जब तक बच्चों के लिए बस की व्यवस्था नहीं होती, तब तक उन्हें शिफ्ट नहीं किया जा सकता। और मेरे को शासन द्वारा आदेश दिया गया है की आप नए बच्चो के एडमिशन करो और फिर उसके हिसाब से शिक्षकों की नियक्तु की जाएगी, अभी वहा पर 5 शिक्षक है जिसमे से 2 शिक्षक दिव्यांग है, ऐसे में वह वहा तो जैसे जैसे तैसे बच्चे सभाल लेते है यहां पर परेशानी आएगी के लिए उन्होंने पुरानी इमारत में ही स्कूल चलाने की मांग का पत्र लिखा है।

सुविधाओं के नाम पर शून्य

पुराने भवन में पढ़ रहीं मासूम बच्चियों को न तो पीने का साफ पानी नसीब हो रहा है और न ही इस्तेमाल योग्य शौचालय। छात्राओं के पास न तो खेलने का मैदान है और न ही बैठने की उचित व्यवस्था, जिसके कारण बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। इस गंभीर स्थिति के बावजूद शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। अहम सवाल कन्या शाला से सांदीपनि के नए भवन की दूरी मात्र 150 मीटर (5 मिनट का रास्ता) है। ऐसे में 'बस' का बहाना कितना तर्कसंगत है, ?क्या शिक्षकों की व्यक्तिगत सहूलियत के लिए 105 मासूम बच्चियों को सुरक्षित वातावरण और मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जाना उचित है।

इनका कहना हैमैं इस विषय में प्राचार्या से चर्चा कर आधिकारिक पत्र जारी कर रहा हूँ। सभी बच्चों को तत्काल सांदीपनि स्कूल की नई बिल्डिंग में शिफ्ट कराने की कार्रवाई की जाएगी।

- माधव सिंह बामनिया,
ब्लाक (विकासखंड शिक्षा अधिकारी, देपालपुर)

पीएम आवास योजना : इंदौर में 15 आवासीय इकाइयां सील, किराये पर देकर चल रही थीं अवैध गतिविधियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अमलतास परिसर में आवंटित आवासीय इकाइयों में नियम विरुद्ध गतिविधियों के खिलाफ निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार को कार्रवाई की। संयुक्त कार्रवाई में 15 आवासीय इकाइयों को सील किया गया, जबकि फ्लैटों में संचालित दुकानों का सामान भी जब्त किया गया। निरीक्षण के दौरान सामने आया कि कुछ आवंटित आवासीय इकाइयों में नियमों के विपरीत मवेशी पाले जा रहे थे। वहीं, कुछ हितग्राहियों ने आवास किराये पर देकर अवैध गतिविधियां संचालित कर रखी थीं। कई फ्लैटों में आवासीय उपयोग के बजाय दुकानें भी संचालित होती मिलीं। संयुक्त कार्रवाई में 15 आवासीय इकाइयों को सील किया गया, जबकि फ्लैटों में संचालित दुकानों का सामान भी जब्त किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ हितग्राहियों ने प्रारंभिक राशि 20 हजार रुपए जमा करने के बाद शेष 1.80 लाख रुपए की राशि अब तक जमा नहीं की है। कार्रवाई के दौरान जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम मौजूद रही।

न्यूज ब्रीफ

दूधिया, नेमावर रोड की बिजली व्यवस्था का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने शुक्रवार दोपहर इंदौर जिले के दूधिया, नेमावर रोड इत्यादि ग्रामीण क्षेत्र की बिजली वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया व सुधारात्मक कार्य के निर्देश दिए। श्री सिंह ने इंदौर ग्रामीण वृत्त अंतर्गत दूधिया 33/11 केवी सब स्टेशन का निरीक्षण किया, यहां पिछले दिनों किए गए कार्यों की गुणवत्ता देखी, इससे होने वाले सकारात्मक प्रभाव , तकनीकी हानि में कमी की जानकारी ली। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता मुख्यालय संजय मालवीय, इंदौर ग्रामीण वृत्त अधीक्षण अभियंता डॉ. डीएन शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे। प्रबंध निदेशक सिंह ने नेमावर रोड औद्योगिक संघ के पदाधिकारियों के साथ संवाद किया, सुझाव संकलित किए। नेमावर रोड औद्योगिक संघ के संजय कुमार बड़जात्या, अनंत मोदी, संदीप बड़जात्या आदि ने पिछले दिनों दूधिया, नेमावर रोड की बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कराए गए विद्युत विकास कार्यों एवं सुधार को लेकर प्रबंध निदेशक को प्रशंसा पत्र भी सौंपा।

23 तारीख को निकलेगी संस्था वात्सल्य की कावड़ यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विगत 13 वर्षों की तरह इस वर्ष भी सांवेर नगर से निकलने वाली एक दिन भव्य कावड़ यात्रा इस वर्ष 23 अगस्त रविवार के दिन निकलेगी, यात्रा संयोजक अतुल लड़ना और यात्रा प्रभारी अंकित पोरवाल ने बताया कि रविवार के दिन श्री घाट धोबी मोहल्ला से प्रात: 7 बजे पूजन कर कावड़ यात्रा नगर के मुख्य मार्ग से होती हुई बाबा महाकालेश्वर मंदिर तक पहुंचेगी, जल अभिषेक के पश्चात नरसिंह घाट माली समाज धर्मशाला में भोजन प्रसादी रहेगी यात्रा का यह 14 वर्ष है संस्था ने अधिक से अधिक युवाओं से आग्रह किया है कि रवि यात्रा में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाएं।

डीएसपी एसेट मैनेजर्स ने कोमल नारंग को वितरण प्रमुख बनाया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डीएसपी एसेट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड ने आज कोमल नारंग को वितरण प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की। वे उषा नायर का स्थान लेंगी। नायर डीएसपी से रिटायर हो रही हैं। नई भूमिका में कोमल डीएसपीएएम की वितरण रणनीति का नेतृत्व करेंगी। कंपनी का लक्ष्य वितरण भागीदारों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना और देशभर के निवेशकों तक अपने निवेश सॉल्यूशन की पहुंच बढ़ाना है। कोमल को वित्तीय सेवा क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव है। उन्हें वितरण, सेल्स नेतृत्व, कस्टमर एंगेजमेंट और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव है।

शहर में मच्छरों का बढ़ा प्रकोप, जिम्मेदारों की अनदेखी, फॉगिंग की व्यवस्था नहीं हो रही

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में बारिश और नमी के बीच कई इलाकों में मच्छरों की संख्या बढ़ने से लोग परेशान हैं। शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। जलभराव, नालियों और आसपास जमा पानी के कारण मच्छरों के पनपने की स्थिति बनी हुई है। इसके बावजूद कई क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग और मच्छर नियंत्रण की कार्रवाई नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मच्छरों की समस्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से अपेक्षित स्तर पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। कई रहवासी क्षेत्रों में लोगों को शाम के समय घरों में भी मच्छरों से राहत नहीं मिल रही है। लोगों को डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों का भी डर सता रहा है।

जलजमाव बना मच्छरों के लिए मुफीद जगह

बारिश के बाद खाली प्लॉट, नालियां, निर्माण स्थलों, कूलर, गमलों और अन्य स्थानों पर जमा पानी मच्छरों के प्रजनन का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ पानी में भी पनप सकता है। ऐसे में केवल नालियों की सफाई ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि घरों और आसपास जमा पानी को भी हटाना जरूरी है।

फॉगिंग को लेकर उठ रहे सवाल–लोगों की शिकायत है कि जिन क्षेत्रों में मच्छरों की संख्या ज्यादा है, वहां नियमित रूप से फॉगिंग नहीं हो रही। कुछ जगहों पर फॉगिंग होने के बावजूद उसका असर लंबे समय तक दिखाई नहीं देता। ऐसे में केवल फॉगिंग के बजाय लार्वा नियंत्रण, नालियों की सफाई और जलजमाव खत्म करने पर भी जोर देने की जरूरत है। इंदौर नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर नागरिकों के लिए शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है।

बीमारी का खतरा बढ़ने की चिंता–मानसून के दौरान मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इंदौर में बारिश और नमी के कारण अन्य संक्रमणों को लेकर भी स्वास्थ्य संबंधी चिंता सामने आ चुकी है। लोगों का कहना है कि मच्छरों की समस्या को गंभीर होने से पहले ही नियंत्रित किया जाना चाहिए। इसके लिए प्रभावित क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग, एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव, नालियों की सफाई और जलजमाव की तत्काल निकासी जरूरी है।

रहवासियों के साथ कीचड़ में बैठे पार्षद तब चेते अफसर, सड़क का काम शुरू

सुबह से शाम तक आठ घंटे चला धरना, आनन-फानन में सड़क निर्माण प्रारंभ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चार साल से अधूरी सड़क के कारण परेशान हो रहे रहवासियों के साथ पार्षद को खुद कीचड़ में बैठना पड़ा, तब जाकर सड़क बनाने का काम शुरू हो सका। मामला शहर के वार्ड 75 स्थित भावना नगर-पालदा नाका क्षेत्र में सड़क का है। यहां चार साल से अधूरी सड़क के चलते रहवासियों को कीचड़ और दलदल से गुजरना पड़ रहा था। रहवासी अधूरी सड़क को लेकर कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ। परेशान होकर शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे वार्ड पार्षद कुणाल सोलंकी रहवासियों के साथ कीचड़ में धरने पर बैठ गए। आठ घंटे चले धरने का असर यह हुआ कि शाम होते-होते सड़क का काम शुरू हो गया। अधिकारियों के इस आश्वासन के बाद कि दो दिन में सडक़ आवागमन के लिए चालू कर दी जाएगी, शाम चार बजे धरना समाप्त हो गया। इस सड़क को नगर निगम ने चार साल पहले ड्रेनेज लाइन बिछाने के नाम पर खोदा था, काम अब भी अधूरा है। यह सड़क वार्ड 75 और 77 के बीच आती है। अधूरे निर्माण के कारण रहवासियों को लंबे समय से परेशानी उठानी पड़ रही है।

दो दिन में शुरू करने का आश्वासन–पार्षद कुणाल सोलंकी ने बताया कि दोपहर बाद जोनल अधिकारी तन्मयसिंह चौहान मौके पर पहुंचे। उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि दो दिन में सड़क आवागमन के लिए खोल दी जाएगी। इसके कुछ देर बाद मौके पर सड़क का काम शुरू हो गया।

संत रविदास महाराज जयंती के उपलक्ष्य में कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आज गांधी हॉल में समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, संभाग प्रभारी रणवीरसिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, अजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मधु वर्मा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, अजा मोर्चा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान एवं साधु संतों की उपस्थिति में पूजन एवं वंदन कर किया।

एमटीएच में पैप स्मीयर लैब शुरू, तीन घंटे में मिलेगी सर्वाइकल कैंसर की रिपोर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर और आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर की शुरुआती पहचान अब अधिक आसान और तेज हो गई है। एमटीएच महिला अस्पताल में मंगलवार को नई पैप स्मीयर स्क्रीनिग लैब का शुभारंभ किया गया। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविद घनघोरिया ने लैब का उद्घाटन किया।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. अनुपमा दवे ने बताया कि अब पैप स्मीयर जांच की रिपोर्ट के लिए मरीजों को दो दिन तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नई लैब में रिपोर्ट महज 2 से 3 घंटे में उपलब्ध हो जाएगी। इससे संदिग्ध मरीजों की आगे की जांच और उपचार जल्द शुरू किया जा सकेगा। अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 30 से 40 महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिग की जा रही है। चिंता की बात यह है कि हर महीने 5 से 6 महिलाएं एडवांस स्टेज में अस्पताल पहुंच रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर स्क्रीनिग से बीमारी की शुरुआती अवस्था में पहचान कर इलाज संभव है। डॉ. दवे ने बताया कि 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं में एचपीवी (यूह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण सर्वाइकल कैंसर से बचाव का प्रभावी उपाय है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भी इसे कैंसर पैदा करने वाले प्रमुख वायरसों से सुरक्षा के लिए कारगर मानता है।

आंकड़ों में सर्वाइकल कैंसर–भारत में हर वर्ष करीब 1.27 लाख नए सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आते हैं। मध्यप्रदेश में महिला कैंसर के कुल मामलों में 11.8 प्रतिशत हिस्सेदारी सर्वाइकल कैंसर की है।

जल्द शुरू होगी एलबीसी और एचपीवी-डीएनए जांच

अस्पताल में फिलहाल पारंपरिक पैप स्मीयर जांच की सुविधा उपलब्ध है। अगले 2 से 3 महीनों में लिक्विड बेस्ड साइटोलॉजी (एलबीसी) और एचपीवी-डीएनए जांच भी शुरू की जाएगी। नई मशीन प्रतिदिन 80 से 100 सैंपल प्रोसेस करने में सक्षम होगी। स्क्रीनिग में संदिग्ध पाए जाने वाले मरीजों की गायनी ओपीडी में कोलपोस्कोपी और बायोप्सी की जाएगी। शुरुआती चरण के कैंसर की सर्जरी एमटीएच में ही की जा सकेगी।

मप्र राज्य महिला आयोग के समक्ष आए कई गंभीर प्रकरण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा इंदौर में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान संयुक्त बेंच के समक्ष कुल 33 प्रकरण प्रस्तुत किए गए। जनसुनवाई में महिला प्रताड़ना, दहेज प्रताड़ना, साइबर अपराध, हत्या, घरेलू अत्याचार, यौन शोषण, पारिवारिक विवाद, मारपीट सहित अन्य मामलों से संबंधित प्रकरण शामिल रहे।

जनसुनवाई के दौरान कार्यस्थल पर प्रताड़ना से संबंधित एक गंभीर प्रकरण भी सामने आया। आवेदिका ने आयोग के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर आरोप लगाया कि कार्यस्थल के के प्रबंधन द्वारा उससे अनुचित मांग की गई। मांग स्वीकार नहीं करने पर उसे डराने धमकाने और चुप कराने का प्रयास किया गया तथा तेजाब फेंकने जैसी गंभीर धमकी भी दी गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त बेंच ने दोनों पक्षों को सुना और मामले में प्रबंधन के विरुद्ध उचित कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए।

एआई जनरेटेड फोटो-वीडियो से साइबर उत्पीड़न का मामला: जनसुनवाई में साइबर अपराध से संबंधित एक प्रकरण भी सामने आया। आवेदिका ने शिकायत में बताया कि एक न्यूज चैनल के सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से उसके संबंध में कथित रूप से झूठी एवं आधारहीन खबरें, फोटो और वीडियो प्रसारित किए गए। शिकायत के अनुसार, प्रसारित कुछ सामग्री एआई जनरेटेड थी। आवेदिका ने बताया कि उसका संबंधित व्यक्ति से किसी प्रकार का व्यक्तिगत विवाद नहीं था।

कार्रवाई के निर्देश दिए – इस प्रकरण में आवेदिका एवं अनावेदक दोनों पक्ष संयुक्त बेंच के समक्ष उपस्थित हुए। बेंच ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान विपक्षी पक्ष ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए 10 दिनों के भीतर प्रकाशित सामग्री का खंडन एवं माफीनामा प्रकाशित करने की बात कही। आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव, सदस्य साधना स्थापक एवं सचिव सुरेश तोमर ने आवेदिकाओं एवं अनावेदक पक्षों को सुनते हुए प्रकरणों की सुनवाई की। इनमें से 17 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए, जबकि शेष प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

विकसित भारत के संकल्प में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की महत्त्वपूर्ण भूमिका-त्यागी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा इंदौर सोशल मीडिया विंग की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के साथ महत्वपूर्ण बैठक सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक सुयश त्यागी, सह संयोजक योगेन्द्र जैन संयम जैन, सोशल मीडिया इंदौर संभाग संयोजक अंकित परमार नगर संयोजक मन्नी भाटिया की उपस्थिति में तेजाजी नगर स्थित प्रताप भवन में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक सुयश त्यागी ने कहा कि विकसित भारत@2047 का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय की सक्रिय भागीदारी का संकल्प है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी विकसित भारत की यात्रा में युवाओं की ऊर्जा और भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया है।

एसेंशिया लक्ज़री होटल में शुरू हुआ 'एमपी स्टेट हाईवे' फूड फेस्टिवल, एक ही जगह मिलेगा पूरे प्रदेश का स्वाद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश की पहचान सिर्फ उसके ऐतिहासिक शहरों और पर्यटन स्थलों से नहीं, बल्कि हर इलाके के अपने खास स्वाद से भी है। ग्वालियर की बेडमाई पूरी और आलू की सब्जी से लेकर भोपाल के पारंपरिक स्वाद, जबलपुर की मिठास और मालवा के जायकों तक, प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों की अपनी अलग फूड पहचान है। इन्हीं क्षेत्रीय स्वादों को एक जगह लाने के उद्देश्य से एसेंशिया लक्ज़री होटल इंदौर में 'एमपी स्टेट हाईवे' फूड फेस्टिवल शुरू हो गया है। 20 से 30 अगस्त तक शाम 7:30 बजे से ब्लू साल्ट एंड कॉफी में होने वाले इस फेस्टिवल में मध्यप्रदेश के अलग-अलग शहरों और क्षेत्रों के पारंपरिक व्यंजनों को एक ही मेन्यू में शामिल किया गया है।

वीरता की सदियों पुरानी परंपरा को सम्मान : रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 गोरखा एडिशन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मिड-साइज़ मोटरसाइकिल सेगमेंट (250ष्ष-750ष्ष) में दुनिया की लीडर, रॉयल एनफील्ड ने आज भारत में क्लासिक350 गोरखा एडिशन लॉन्च करने की घोषणा की। गोरखा रेजिमेंट की विरासत से प्रेरित, क्लासिक 350 का यह नया रूप साहस, अनुशासन और दृढ़ता की कई पीढ़ियों को सम्मान देता है, साथ ही मोटरसाइकिल के सदाबहार कैरेक्टर और असली राइडिंग अनुभव को भी बनाए रखता है। रॉयल एनफील्ड की डिज़ाइन फिलॉसफी पर आधारित, क्लासिक 350 का गोरखा एडिशन दुनिया की सबसे सम्मानित सैन्य रेजिमेंटों में से एक, गोरखा रेजिमेंट के बहादुर जवानों के सम्मान और प्रशंसा के प्रतीक के तौर पर तैयार किया गया है। क्लासिक 350 गोरखा एडिशन अपनी प्रेरणा को अपनी खास मौजूदगी के साथ दर्शाता है।

भारत में अमेजॉन बेडरॉक पर ओपन ए.आई जीपीटी-5.6 टेरा और लूना मॉडल उपलब्ध हुए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अमेजॉन.कॉम, इंक. कंपनी, अमेजॉन वेब सर्विसेज ने आज इन-कंट्री इन्फरेंसिंग के साथ भारत में अमेजॉन बेडरॉक पर ओपन ए.आई जीपीटी-5.6 टेरा और लूना मॉडल उपलब्ध करा दिए। अब अमेजॉन बेडरॉक पर ओपन ए.आई मॉडल इन्फरेंस को ए.डब्लू.एस इन्फ्रास्ट्रक्चर पर प्रोसेस किया जा सकेगा, जिससे संगठनों को स्थानीय स्तर पर फ्रंटियर मॉडल का इस्तेमाल करने की क्षमता मिलेगी। इस लॉन्च के बाद फाईनेंशियल सर्विसेज, हैल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर, स्टार्ट- अप्स एवं अन्य उद्योगों के ग्राहक भारत में ओपन ए.आई मॉडल स्थानीय रूप से एक्सेस कर पाएंगे, जिससे ए.डब्लू.एस में उनका भरोसा, सुरक्षा, गवर्नेंस और ऑपरेशनल कंट्रोल और अधिक बढ़ जाएगा।

मंत्री विजयवर्गीय के समर्थक के ऑफिस में की गई तोड़फोड़

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कार लोन की किस्त को लेकर हुए विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब चार युवक ऑफिस में पहुंचे और वहां मौजूद परिवार के सदस्यों से मारपीट और तोड़फोड़ कर दी। पूरी घटना ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई।

पालदा निवासी शिव पाटिल कैटरिंग का काम करते हैं। वह मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से जुड़े हुए हैं और उनके आयोजनों में रसोई का काम भी करते हैं। उनकी बेटी संस्कृति ने बताया कि 20 अगस्त को दोपहर 2 बजे प्रणय, आयुष, सुनील और शशिकांत उनके ऑफिस पहुंचे। उन्होंने खुद को पिरामल फाइनेंस एनबीएफसी की ओर से कार लोन की वसूली के लिए आने वाला बताया। युवकों ने कार नंबर एमपी-09 झेडएक्स 7814 की दो किस्तें बाउंस होने की बात कहते हुए बकाया राशि जमा करने को कहा। इस पर शिव ने बताया कि बैंक की गलती के कारण किस्त बाउंस हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि कार बेचकर लोन फोरक्लोज करने की प्रक्रिया चल रही है।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि युवकों ने फरियादी, उनकी बेटी संस्कृति और बेटे यशवंत के साथ अभद्रता की और मारपीट की। इसके बाद मामला और बढ़ गया। परिवार का आरोप है कि युवक दोबारा ऑफिस में पहुंचे और वहां लगे गेट, कम्प्यूटर सहित अन्य सामान में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद संस्कृति ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर आजाद नगर पुलिस मौके पर पहुंची।

इंस्टा की चमक में पुराने कपड़ों का कारोबार, कर देने वाले दुकानदार परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सोशल मीडिया के दौर में कपड़ों का कारोबार भी तेजी से बदल रहा है। अब पुराने और इस्तेमाल किए गए कपड़े भी इंस्टाग्राम पर शानदार फोटो और वीडियो के साथ बेचे जा रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि इस कारोबार में कई जगह बिल, जीएसटी और सामान बदलने की नीति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

व्यापारियों के अनुसार विदेशों से आने वाले पुराने और दोबारा इस्तेमाल किए जाने वाले कपड़ों का माल देश के बड़े व्यापार केंद्रों तक पहुंचता है। पानीपत, कोलकाता, जयपुर और दिल्ली जैसे शहरों से यह माल आगे छोटे-बड़े कारोबारियों तक पहुंचने की बात कही जा रही है। इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए ग्राहकों को सीधे बेचा जा रहा है।

फोटो और वीडियो से बना नया बाजार : पहले पुराने कपड़ों का कारोबार सड़क किनारे या छोटे बाजारों में दिखाई देता था। अब इंस्टाग्राम ने इसे नया रूप दे दिया है। अच्छी फोटो, वीडियो और रील बनाकर पुराने कपड़ों को फैशन के रूप में ग्राहकों तक पहुंचाया जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर कारोबार करने से कोई व्यक्ति अपने आप कर व्यवस्था से बाहर नहीं हो जाता। नियमित रूप से सामान खरीदकर बेचने वाले कारोबार में सरकार के नियमों का पालन होना चाहिए।

कर देने वाले दुकानदारों का सवाल : पारंपरिक दुकानदारों का कहना है कि वे दुकान का किराया, बिजली, कर्मचारी खर्च, नगर निगम के शुल्क, जीएसटी और दूसरे कर देते हैं। इसके बावजूद उन्हें बाजार में लगातार बढ़ती ऑनलाइन और सोशल मीडिया आधारित प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों का सवाल है कि यदि कोई व्यक्ति बड़े स्तर पर कपड़े खरीदकर लगातार बेच रहा है, तो उसकी भी जांच उसी तरह होनी चाहिए जैसे किसी दुकान की होती है।

अक्षय जैन बोले—व्यवसाय जगत के भरोसे को चोट : इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अक्षय जैन ने कहा कि पुराने कपड़ों या दोबारा इस्तेमाल होने वाले कपड़ों के कारोबार से किसी को आपत्ति नहीं है। आपत्ति उस स्थिति से है, जब एक ही बाजार में अलग-अलग कारोबारियों के लिए अलग-अलग नियम दिखाई देने लगें। जैन ने कहा कि कर देकर, बिल बनाकर और सभी नियमों का पालन करते हुए दुकान चलाने वाला व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देता है। ऐसे में यदि सोशल मीडिया के माध्यम से बड़े स्तर पर कपड़ों की बिक्री हो रही है और उसमें बिल, कर या ग्राहक को सामान बदलने जैसी जरूरी व्यवस्था का पालन नहीं हो रहा है तो यह केवल दुकानदारों की परेशानी नहीं है, बल्कि इससे व्यवसाय जगत के भरोसे को चोट पहुंचती है।

सरकार बनाए स्पष्ट नीति : अक्षय जैन ने कहा कि कर देने वाले दुकानदार और सोशल मीडिया पर कारोबार करने वाले व्यापारी दोनों के लिए नियम समान होने चाहिए। उन्होंने शासन से मांग की कि पुराने और इस्तेमाल किए गए कपड़ों के कारोबार की पूरी व्यवस्था का अध्ययन कर नीति बनाई जाए। उन्होंने कहा कि माल कहां से आ रहा है, उसकी खरीद का बिल है या नहीं, किस कीमत पर खरीदा और बेचा जा रहा है, कर का भुगतान हो रहा है या नहीं और ग्राहक को बिक्री के बाद क्या सुविधा दी जा रही है इन सभी विषयों पर निगरानी जरूरी है।

सरकार के खजाने को नुकसान की आशंका : व्यापारियों का आरोप है कि यदि बिना बिल और बिना उचित कर व्यवस्था के बड़े स्तर पर कारोबार हो रहा है तो इससे सरकार को मिलने वाले राजस्व को नुकसान हो सकता है। साथ ही कर देने वाले दुकानदारों के लिए बाजार में बराबरी की प्रतियोगिता भी नहीं रह जाती। व्यापारियों ने मांग की है कि संबंधित विभाग सोशल मीडिया पर चल रहे कपड़ों के कारोबार की जांच करे। माल कहां से आ रहा है, किससे खरीदा जा रहा है, बिल है या नहीं, जीएसटी की स्थिति क्या है और बिक्री का पैसा किस माध्यम से लिया जा रहा है इन सभी बिंदुओं की जांच की जाए। व्यापारियों का कहना है कि बाजार बदल रहा है, कारोबार का तरीका बदल रहा है, इसलिए अब सरकार को भी डिजिटल और सोशल मीडिया कारोबार के लिए स्पष्ट और समान नीति बनाने की जरूरत है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 22 अगस्त 2026

न्यूज ब्रीफ

भोलेनाथ की आराधना किसी भी रूप में करें, हमेशा कल्याणकारी रहेगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जीवन में श्रद्धा और विश्वास के बिना किसी प्रार्थना, पूजा या अनुष्ठान की सार्थकता नहीं हो सकती। शिव और पार्वती श्रद्धा और विश्वास के प्रतीक हैं। भोलेनाथ की आराधना कहीं भी, कैसे भी करें, हमेशा कल्याणकारी फल देती है। शिव सबसे सरल देव हैं जो केवल जल के अभिषेक से ही प्रसन्न हो जाते हैं। जब तक प्रत्येक व्यक्ति में नारायण का अंश मानने की दृष्टि नहीं आती, हमारी साधना अधूरी ही रहेगी। तिलक नगर क्षेत्र के कृषि विहार उद्यान स्थित श्री पीपलेश्वर महादेव मंदिर पर चल रही शिव महापुराण कथा में श्रीधाम वृन्दावन के प्रख्यात आचार्य पं. शिवेंद्र कृष्ण शास्त्री ने विभिन्न प्रसंगों की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। कथा में शुक्रवार को पार्वती जन्मोत्सव का प्रसंग मनाया गया। कथा शुभारंभ के पूर्व यजमान समूह की ओर से पिंटू नामदेव-नीता मिश्रा, प्रवीण-कृष्णा पुरोहित, अनीश-पिंकी पाण्डेय, विजय-सीमा मिश्रा, अनिल-सुनीता देशमुख, अनिल-भावना जाट, अभिनय-रचना सोनकर आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

सांवेर रोड, किला मैदान, पोलोग्राउंड, पीथमपुर एवं नेमावर रोड क्षेत्र के उद्योगपतियों ने की शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के उद्योगपतियों ने अपने-अपने उद्योग परिसर एवं आसपास के क्षेत्र को हरा-भरा बनाने और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से पौधे लगाने के साथ ही वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) करने का संकल्प लिया है। इस समूचे अभियान को 'एक पौधा उद्योग के नाम' दिया गया है। इसकी शुरुआत शुक्रवार को सांवेर रोड क्षेत्र में पौधरोपण के साथ की गई। इस अभियान से उद्योगों के सौन्दर्यीकरण के साथ ही जल संकट से भी कुछ हद तक निजात मिल सकेगी। सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र, किला मैदान, पोलोग्राउंड, पीथमपुर एवं नेमावर रोड औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत उद्योगपतियों ने शुक्रवार को अपने संकल्प को मूर्तरूप देते हुए प्रथम चरण में प्रतीक स्वरुप पौधारोपण कर इस संकल्प को आगे बढाने की दिशा में पहल की है। सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र के हरि अग्रवाल, बीएम गुप्ता, किला मैदान क्षेत्र के राजेंद्र मित्तल, पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के स्वदेश शर्मा, नेमावर रोड औद्योगिक क्षेत्र के सतीश गोयल सहित उद्योगपति घनश्याम रघुवंशी, मनोज भिया, अतुल वेद, हितेश पटेल, श्यामकान्त झा, अनुपम अग्रवाल, एवं विलास राणे सहित अनेक उद्योगपतियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण रोकथाम के उद्देश्य से संकल्प लिया है कि वे अपने-अपने उद्योग परिसर एवं आसपास के उपयुक्त क्षेत्रों में स्वयं भी पौधरोपण करेंगे एवं अपने स्नेहीजनों को भी इस अभिनव संकल्प के लिए प्रेरित करेंगे।

दूल्हे के रूप में अपने भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे भूतेश्वर महादेव का जगह-जगह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पंचकुइया मोक्ष धाम स्थित पश्चिम क्षेत्र के प्रख्यात श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर की शाही सवारी सावन के अंतिम सोमवार, 24 अगस्त को दोपहर 3.30 बजे पंचकुइया स्थित मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर लगभग 10 किमी का भ्रमण कर विभिन्न मार्गों से होते हुए पुन: मंदिर परिसर पहुंचेगी। भगवान भूतभावन भोलेनाथ इस यात्रा में दूल्हे के रूप में करीब पांच क्विंटल सुगंधित फूलों, बिल्व पत्रों से सुसज्जित रथ और पालकी में विराजित होकर अपने भक्तों का कुशलक्षेम जानने और दर्शन देने निकलेंगे। इस दौरान विभिन्न स्वागत मंचों से पुष्प एवं अन्य पूजा सामग्री के साथ बिल्व पत्रों से भी भूतेश्वर का अभिषेक होगा। इस तरह 51 लाख बिल्व पत्रों से भगवान भूतेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना का विश्व कीर्तिमान भी इंदौर के नाम दर्ज होगा।

प्रदेश में बन रहे 4 मेगा कॉरिडोर, सिंहस्थ और चुनाव से पहले बदलेगी तस्वीर

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल • भोपाल से रायपुर का सफर 15 से घटकर 7 घंटे और भोपाल से जबलपुर का 6 से 3 घंटे हो जाएगा। अगले दो साल में भोपाल को केंद्र मानकर चार बड़े इकोनॉमिक कॉरिडोर तैयार होने हैं। इनसे शहरों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आर्थिक गतिविधियों को भी रफ्तार मिलेगी। 2028 के सिंहस्थ और विधानसभा चुनाव से पहले इन प्रोजेक्ट्स को अहम माना जा रहा है। राज्य कैबिनेट ने पिछले सप्ताह भोपाल-विदिशा 4-लेन प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। यह भोपाल-कानपुर कॉरिडोर का अहम हिस्सा होगा।

इस सड़क पर ट्रैफिक करीब 10,975 क्यू है, जबकि 2-लेन सड़क की मानक क्षमता 10,000 क्यू है। यानी मौजूदा ट्रैफिक क्षमता से अधिक है, इसलिए सड़क को 4-लेन किया जा रहा है। 44.83 किमी लंबे प्रोजेक्ट की लागत ?1,757.55 करोड़ है। यह भानपुरा टी-जंक्शन (अयोध्या बायपास रोड) से सांची-सलामतपुर जंक्शन तक बनेगा। प्रोजेक्ट हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (µरू) पर बनेगा। इसमें 40% निवेश सरकार और 60% निजी डेवलपर करता है। सड़क के निर्माण के बाद लंबे समय तक रखरखाव

की जिम्मेदारी भी डेवलपर की होती है। सरकार ने जबलपुर-भोपाल ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे और जबलपुर-मंडला-छत्तीसगढ़ सीमा 6-लेन मार्ग को मंजूरी दी है। एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम गति 120 किमी प्रति घंटा होगी। अभी 320 किमी की दूरी तय करने में 5 से 6 घंटे लगते हैं। नया हाईवे बनने के बाद दूरी 255 किमी और यात्रा का समय करीब 3 घंटे रह जाएगा।

अभी 7 से 8 घंटे लगते हैं। 6-लेन कॉरिडोर बनने के बाद यात्रा का समय घटकर 3.5 से 4 घंटे रह जाएगा। भोपाल से रायपुर की यात्रा अभी 14 से 15 घंटे की है, जो कॉरिडोर बनने के बाद घटकर 6 से 7 घंटे रह जाएगी। जबलपुर में 3,540 करोड़ की लागत से 114 किमी लंबा 4-लेन आउटर रिंग रोड बनाया जा रहा है। 5 पैकेज में बनने वाले इस ग्रीनफील्ड कॉरिडोर में नर्मदा पर करीब 750 मीटर लंबा पुल भी होगा। यह बरेला, मानेगांव, ह॥-45, कुशनेर और अमझर को जोड़ेगा। इससे लंबी दूरी का ट्रैफिक शहर के बाहर से गुजर सकेगा।

भोपाल और इंदौर के बीच ?4,000 करोड़ की लागत से 6-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। इससे दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय 4 घंटे से घटकर करीब 2.5 घंटे रह जाएगा। यह मौजूदा मार्ग का हाई-स्पीड विकल्प होगा। इसके साथ इंदौर के पूर्वी हिस्से में 3,617.08 करोड़ की लागत से 75.63 किमी लंबा इंदौर ईस्टर्न बायपास भी बनाया जा रहा है। यह देवास/इंदौर क्षेत्र को सिमरोल/दातोदा के रास्ते नांदेड से जोड़ेगा।

सिंहस्थ पहले उज्जैन के 3 बड़े सड़क प्रोजेक्ट पूरे करने का लक्ष्य

सिंहस्थ को देखते हुए सरकार ने उज्जैन से जुड़े सड़क प्रोजेक्ट्स को दीपावली 2027 तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इसका काम 15 जनवरी 2025 से शुरू हो चुका है। कॉरिडोर पर तीन फ्लाईओवर, छह अंडरपास और आठ जंक्शन बनाए जा रहे हैं। यह उज्जैन को जावरा के रास्ते दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। इसे सिंहस्थ शुरू होने से तीन महीने पहले पूरा करने का लक्ष्य है। इन सड़क परियोजनाओं का असर 2028 के विधानसभा चुनाव में भी दिखाई दे सकता है। बायपास, एलिवेटेड कॉरिडोर और फ्लाईओवर से इन क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है।

विफलता को जीवन का स्वभाव मान लेना ही सबसे बड़ी नकारात्मक सोच- सुधासागर म.सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सड़क का निर्माण दुर्घटना के लिए नहीं, हमें अपनी मंजिल तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। मनुष्य जीवन भी दु:ख और असफलता के लिए नहीं बल्कि सकारात्मक सोच रखकर आगे बढ़ने के लिए मिला है। हमारी सबसे बड़ी नकारात्मक सोच यही होती है कि 'मैं असफल हो जाऊंगा'। विफलता को जीवन का स्वभाव मान लेना ही सबसे बड़ी नकारात्मक सोच है। सृष्टि का स्वभाव धर्म है, विफलता नहीं। धर्म शांति और कल्याण देता है। विफल होने का संदेह मन और आत्मा से निकाल देना ही सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकेत है। रायचंद, ज्ञानचंद और हुकमचंद- ये तीनों बिना मांगे सलाह देने वाले प्राणी होते हैं जिनसे हमेशा सावधान रहना चाहिए। संत शिरोमणि प.पू. विद्यासागर म.सा. के परम प्रभावक शिष्य और राष्ट्रसंत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज ने शुक्रवार को सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में दलाल बाग के विशाल विद्या-सुधा सत्संग मंडप में चल रहे चातुर्मास के दौरान देशभर से आए श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उक्त दिव्य और प्रेरक विचार व्यक्त किए। मंगलाचरण के साथ सत्संग सभा का शुभारंभ हुआ। चातुर्मास आयोजन समिति के शिवानी-नवीन गोधा, तृप्ति-हर्ष जैन, सपना-मनीष गोधा, अंतिका-आनंद गोधा एवं दीपिका-आकाश जैन कोयला ने सभी साधकों की अगवानी की। संचालन अर्पित जैन ने किया।

आयुक्त के साथ अभद्रता काम-काज बंद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कल भोपाल में आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह के साथ हुए अभद्र व्यवहार के विरोध में प्रांतीय आव्हान पर आयुक्त कार्यालय सहित प्रदेश भर के शिक्षा विभाग के कार्यालयों में रहा काम बंद। मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रांतीय महामंत्री हरीश बोयत, अपाक्स के जिला अध्यक्ष रमेश यादव, शिक्षक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आलोक परमार, आजाद अध्यापक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष के के आर्य शासकीय शिक्षक संघ के प्रवक्ता दिनेश परमार, आर.के.शर्मा ने बताया कि आज इंदौर में भी कर्मचारियों ने आयुक्त अभिषेक सिंह के साथ हुए अभद्र व्यवहार के विरोध में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, सयुक्त संचालक शिक्षा इंदौर संभाग कार्यालय, विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में विरोध स्वरूप कार्य बंद कर प्रदर्शन किया।

मुद्रा संग्रहालय स्थापित करने के लिए कलेक्टर ने जताई दिलचस्पी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • राष्ट्रीय मुद्रा परिषद के संयोजक और शहर के वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा आदित्य ने अपना पिछले 50 वर्षों का सम्पूर्ण मुद्रा संग्रह एवं अन्य पुरा-वस्तुओं तथा विविध संग्रह को शहर में प्रस्तावित मुद्रा संग्रहालय को दान देने का संकल्प दोहराया है। जिलाधीश शिवम वर्मा से मुलाकात और चर्चा के दौरान उन्होंने जब शहर में संग्रहालय स्थापना के लिए भूमि अथवा भवन उपलब्ध कराने का आग्रह किया और उन्हें अपने इस संकल्प से अवगत कराया तो कलेक्टर वर्मा ने पूरी दिलचस्पी के साथ उक्त संग्रह को उनके निवास पर आकर देखने की मंशा व्यक्त की और अपने सहायक को बुलाकर उन्हें पूरा विवरण दर्ज कराया तथा आश्वस्त किया कि वे इस मामले में जल्द ही मुलाकात कर गंभीरता से पहल करेंगे।

कॉलेज में कथित देश-विरोधी नारों से गरमाया माहौल, बजरंग दल ने मांगी निष्पक्ष जांच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भंवरकुआं थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अरिहंत कॉलेज परिसर में 16 अगस्त को कथित तौर पर देश-विरोधी नारे लगाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। बजरंग दल रामेश्वरम जिला के पदाधिकारियों ने मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस-प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बजरंग दल जिला संयोजक विजय कालखोर ने कहा कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। संगठन ने कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, वायरल वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर घटना में शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट करने की मांग की है।

संगठन ने यह भी साफ किया कि कार्रवाई तथ्यों और सबूतों के आधार पर होनी चाहिए, ताकि किसी निर्दोष के साथ अन्याय न हो। बजरंग दल ने भविष्य में शैक्षणिक परिसरों में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की है। इस दौरान मौके पर पिंटू चंदेल, विजय कालखोर, राजेश राठौर, अभिषेक कुशवाह, राहुल मालवीय, तेज सिंह राठौड़,मौसम मिश्रा, चंदन तोमर के साथ अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेड़तवाल पब्लिक स्कूल ओवरऑल चैंपियन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मेड़तवाल पब्लिक स्कूल ओवरऑल चैंपियन इंदौर कार्पोरेशन योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित इंदौर जिला इंटर स्कूल योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में मेड़तवाल पब्लिक स्कूल ने टीम इवेंट के 5 आयु वर्ग में प्रथम व 1 आयु वर्ग में द्वितीय स्थान एवं व्यक्तिगत इवेंट में 1 स्वर्ण प्राप्त कर ओवरऑल चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। विजेता टीमों को महंत हरिशंकर दासजी स्वामी, ईश्वर सिंह चौहान, नवीन गौड़, विजय कौशल, अतुल दुबे ने पुरस्कृत किया।

अतिथियों का स्वागत तान्या

चौहान, लक्ष्यजीत सिंह, प्रदीप तिवारी, जतिन शर्मा, विशाल परमार आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन विक्रम अवाडी रोहित बाजपेई व आभार प्रदर्शन उषा गुप्ता ने किया। चैंपियनशिप के परिणाम इस प्रकार है: टीम इवेंट - बालिका वर्ग - आयु वर्ग 8 वर्ष - श्री वैष्णव कन्या विद्यालय प्रथम, सराफा विद्या निकेतन द्वितीय, श्री कसेरा बाजार विद्या मंदिर तृतीय। आयु वर्ग 10 वर्ष - दिल्ली पब्लिक स्कूल राऊ प्रथम, श्री वैष्णव कन्या विद्यालय द्वितीय, श्री श्री रविशंकर विद्या मंदिर तृतीय।

जेन-अल्फा आंदोलन पर, बस किराया घटवाया, स्कूल शिफ्टिंग रुकवाई

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल • आंखों में आंसू, गुस्सा और सुनवाई नहीं होने का दर्द... ये पीड़ा उज्जैन की उस छात्रा की है, जो स्कूल की 300 से ज्यादा लड़कियों के साथ स्कूल शिफ्टिंग का विरोध कर रही थी। उज्जैन समेत प्रदेश के अलग-अलग जिलों से कुछ दिनों में ऐसी कई तस्वीरें सामने आईं, जिनमें स्कूली बच्चे, खासकर लड़कियां अपनी मांगों को लेकर मुखर नजर आईं। इसे जेन-अल्फा की मुखर होती आवाज के तौर पर देखा जा रहा है। मोटे तौर पर 2010-12 के बाद जन्मी इस पीढ़ी के बच्चे अब अपनी समस्याओं को लेकर चुप रहने के बजाय सीधे प्रशासन और सरकार के सामने सवाल रख रहे हैं। बच्चों के हाथों में 'सेव डीएमएस' समेत अलग-अलग पोस्टर थे। उन्होंने मांगें नहीं माने जाने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। इन स्कूलों की मूल अवधारणा शिक्षा में नए प्रयोग और नवाचार की रही है। यहां किए गए शैक्षणिक प्रयोगों के आधार पर देश की स्कूली शिक्षा में भी बदलाव किए जाते रहे हैं। धार जिले के कुक्षी में आदिवासी छात्रावास की करीब 35 छात्राएं 16 अगस्त की देर रात खिड़कियों से निकलकर पीछे के रास्ते थाने की ओर पैदल चल पड़ीं। बच्चियों को रात में सड़क पर देख स्थानीय लोग और पुलिस उनके साथ हो लिए। बाद में तहसीलदार, एसडीओपी और थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे। छात्राओं ने बताया कि 50 बेड वाले हॉस्टल में करीब 140 लड़कियां रह रही हैं। एक-एक बिस्तर साझा करना पड़ता है। मेन्यू के मुताबिक खाना नहीं मिलता और उसकी गुणवत्ता भी खराब है। छात्राओं का आरोप था कि शिकायत करने पर वॉर्डन चुप रहने की धमकी देती हैं। 17 अगस्त को धार के गंधवानी विकासखंड के केसवी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास की छात्राओं ने भी आंदोलन किया। उन्होंने मूलभूत सुविधाओं की कमी, खराब भोजन और अन्य अव्यवस्थाओं के विरोध में एसडीएम कार्यालय का घेराव किया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

॥ मन का निर्वहन-स्मृतियों की सफ़ाई का शास्त्र ॥

जीवन केवल सांसों का सिलसिला नहीं है, यह मन को हल्का करने की एक सतत साधना भी है। हम अपने घर, अपनी अलमारी, अपनी मेज़ को समय-समय पर साफ करते हैं, पर मन के भीतर वर्षों से जमा हुई कटु स्मृतियों, विषैले शब्दों और बोझिल अनुभवों को कब साफ करेंगे-यह प्रश्न शायद ही कोई खुद से पूछता है। मन की भी एक 'स्टोरेज' होती है, और यदि यह भर जाए तो नवीन खुशियाँ, नई प्रेरणाएँ, और ताजगी भरे अनुभव उसमें जगह नहीं पा पाते। तब हमारा वर्तमान थम जाता है, और भविष्य धुंधला पड़ने लगता है। यही कारण है कि समय-समय पर हमें मन का निर्वहन करना आवश्यक है। क्यों ज़रूरी है सफ़ाई- मन एक विशाल ग्रंथालय की तरह है। यदि उसकी अलमारियों में केवल असफलताओं के अभिलेख, पुराने ताने और अधूरे सपनों की फाइलें भरी रहें, तो नयी प्रेरणादायक पुस्तकों के लिए स्थान कहाँ बचेगा? आंतरिक सफ़ाई केवल मानसिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति के लिए भी आवश्यक है। 'डिलीट' का सही अर्थ- डिलीट करने का अर्थ भूल जाना नहीं है, बल्कि स्मृति को संतुलित करना है। यह वैसा ही है जैसे भीष्म पितामह ने महाभारत में युद्ध के घावों को व्यक्तिगत अपमान न मानकर धर्मपालन का परिणाम माना और शांत चित्त से बाणशैया पर लेटकर समय की प्रतीक्षा की। कटु अनुभव को शिक्षा में बदलना, दर्द को दिशा में बदलना-यही डिलीट करने की वास्तविक परिभाषा है।

व्यावहारिक मार्ग और गरिमामय उदाहरण:- 1 दर्द को पहचानें- उदाहरण: संत तुलसीदास को जीवन में तिरस्कार मिला, किन्तु उन्होंने उस अपमान को रामचरितमानस की रचना की प्रेरणा बना दिया। उन्होंने पहचाना कि पीड़ा, ऊर्जा में बदली जा सकती है। **2 महसूस करें, फिर छोड़ दें**- उदाहरण: महात्मा गांधी को दक्षिण अफ्रीका में ट्रेन से बाहर फेंका गया। उन्होंने इस घटना को वर्षों तक क्रोध के रूप में नहीं रखा, बल्कि उसे अहिंसात्मक सत्याग्रह का बीज बना दिया। **3 सीमा बनाइए**- उदाहरण: विदुर ने अन्यायपूर्ण दरबार में अपनी बात रखने के बाद, जब उनकी बात नहीं मानी गई, तो उन्होंने कौरव दरबार छोड़कर स्वयं को उस विषाक्त वातावरण से अलग कर लिया। **4 छोड़ने का संस्कार बनाइए**- उदाहरण: भगवान बुद्ध ने बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए अतीत की कटु स्मृतियों को एक-एक करके जाने दिया। उन्होंने हर दिन को नए मन से शुरू करने का अभ्यास बनाया। **5 याद की जगह साधना दें**- उदाहरण: मीरा बाई ने अपमान और विष के प्याले को कृष्ण-प्रेम और भजनों में रूपांतरित कर दिया। उनकी भक्ति ने स्मृतियों के विष को अमृत में बदल दिया।

सतीश शर्मा

इंटरनेट, सोशल मीडिया और तनाव : मानसिक रोगों की ओर बढ़ते बच्चे और बुज़ुर्ग

अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल मीडिया के लाभ हैं, लेकिन अत्यधिक या अनुचित उपयोग नींद, शारीरिक गतिविधि और भावनात्मक-सामाजिक विकास को प्रभावित कर सकता है। इसलिए केवल स्क्रीन के घंटे गिनने के बजाय यह देखना जरूरी है कि बच्चा क्या देख रहा है, कब देख रहा है और उसकी वजह से कौन-सी स्वस्थ गतिविधियाँ छूट रही हैं।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से समस्या केवल मोबाइल हाथ में होने की नहीं है। समस्या तब गंभीर होती है जब बच्चा मोबाइल के बिना बेचैन हो, पढ़ाई और खेल में रुचि खोने लगे, परिवार से संवाद कम कर दे, रात में देर तक जागे अथवा वास्तविक दुनिया की तुलना में आभासी दुनिया को अधिक महत्वपूर्ण मानने लगे। आज का मनुष्य तकनीक के ऐसे युग में प्रवेश कर चुका है, जहाँ मोबाइल केवल बातचीत का माध्यम नहीं रहा, कंप्यूटर केवल काम करने का उपकरण नहीं रहा और इंटरनेट केवल जानकारी प्राप्त करने का साधन नहीं रहा। ये सब धीरे-धीरे हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सुबह आँख खुलने से लेकर रात सोने तक मोबाइल की स्क्रीन हमारे साथ रहती है। बच्चों के हाथों में मोबाइल है, युवाओं के सामने सोशल मीडिया है और बुजुर्गों के पास अक्सर अकेलेपन को भरने के लिए टेलीविजन, मोबाइल और इंटरनेट हैं।

तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन प्रश्न यह है कि कहीं सुविधा धीरे-धीरे हमारी संवेदना और मानसिक शांति की कीमत पर तो नहीं आ रही? विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अकेलापन और सामाजिक अलगाव आज एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुके हैं। दुनिया में लगभग हर छह में से एक व्यक्ति अकेलेपन का अनुभव करता है। बुजुर्गों में अकेलापन मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। आज बहुत से बच्चों के खेल का मैदान मोबाइल की स्क्रीन बन गया है। मिट्टी में खेलने, पेड़ के नीचे बैठने, दोस्तों के साथ दौड़ने और परिवार के बुजुर्गों से कहानियाँ सुनने की जगह मोबाइल गेम, वीडियो और सोशल मीडिया ने ले ली है। बच्चे जितनी जल्दी डिजिटल दुनिया से जुड़ रहे हैं, उतनी ही तेजी से उनके जीवन से कुछ प्राकृतिक गतिविधियाँ कम होती जा रही हैं। शारीरिक खेल, रचनात्मक गतिविधियाँ, प्रत्यक्ष संवाद और प्रकृति के साथ समय बिताना बच्चे के भावनात्मक तथा सामाजिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

विडंबना देखिए सोशल मीडिया ने हमें हजारों लोगों से जोड़ दिया, लेकिन कभी-कभी अपने ही घर के लोगों से दूर कर दिया। एक ही कमरे में बैठे चार लोग चार अलग-अलग स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देते हैं। परिवार साथ है, लेकिन संवाद अनुपस्थित है। बच्चे माता-पिता से बात करने के बजाय स्क्रीन से बात कर रहे हैं और माता-पिता बच्चों की बात सुनने के बजाय स्वयं मोबाइल में व्यस्त हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के अत्यधिक डिजिटल उपयोग से उत्पन्न उस स्थिति की ओर भी ध्यान दिलाया है जिसमें माता-पिता की डिजिटल व्यस्तता बच्चों के साथ मौखिक और भावनात्मक संवाद को कम कर देती है। इसे 'टेक्नोफेरेंस' कहा जाता है।बच्चे को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि 'मोबाइल छोड़ दो'। यदि माता-पिता स्वयं लगातार मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो बच्चे को स्वस्थ डिजिटल व्यवहार का आदर्श कहाँ से मिलेगा?

दूसरी ओर हमारे बुजुर्गों की समस्या अलग है। परिवार छोटे होते गए, संयुक्त परिवार टूटते गए, बच्चे रोजगार और शिक्षा के कारण दूर चले गए और बुजुर्ग कई बार अपने ही घर में अकेले रह गए। ऐसे में मोबाइल और टेलीविजन उनका साथी बन जाते हैं। वे समाचार देखते हैं, धार्मिक कार्यक्रम देखते हैं, सोशल मीडिया पर वीडियो देखते हैं और घंटों मोबाइल चलाते हैं। यह उपयोग हमेशा बुरा नहीं है। डिजिटल माध्यम दूर बैठे बच्चों और रिश्तेदारों से संपर्क बनाए रखने का अच्छा माध्यम भी बन सकता है। लेकिन जब स्क्रीन वास्तविक संवाद का विकल्प बन जाए और व्यक्ति दिन का अधिकांश समय समाचार, वीडियो या सोशल मीडिया में बिताने लगे, तब समस्या पैदा होती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सामाजिक संबंध मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। बुजुर्गों में सामाजिक अलगाव और अकेलापन अवसाद तथा अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकते है विश्व स्वास्थ्य संगठन के जुलाई 2026 के तथ्य-पत्र के अनुसार लगभग 15 प्रतिशत 70 वर्ष से अधिक आयु के वयस्क किसी ना किसी मानसिक विकार के साथ जीवन जीते हैं। इसलिए बुजुर्गों के हाथ से मोबाइल छीन लेना समाधान नहीं है; उनके हाथ को किसी अपने हाथ से जोड़ना समाधान है। स्क्रीन नहीं, संबंध बढ़ाइए। इस समस्या का समाधान तकनीक का पूर्ण बहिष्कार नहीं है। आज के युग में इंटरनेट से पूरी तरह दूर रहना न संभव है और न आवश्यक। आवश्यकता है—डिजिटल अनुशासन और मानवीय संबंधों के संतुलन की। बच्चों के लिए परिवार बनाए डिजिटल नियम घर में फैमिली मीडिया प्लान बनाया जा सकता है। इसमें तय हो कि मोबाइल कब चलेगा, कहाँ चलेगा और किन परिस्थितियों में नहीं चलेगा। एप भी परिवार की परिस्थितियों और बच्चे की उम्र के अनुसार व्यक्तिगत मीडिया योजना बनाने की सलाह देता है। भोजन के समय मोबाइल उपयोग की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। इसी तरह पढ़ाई के समय मनोरंजनात्मक स्क्रीन का उपयोग भी मानसिक तनाव को बढ़ाता है बच्चे के शयनकक्ष में मोबाइल और अन्य मनोरंजन उपकरण रखने की सलाह नहीं दी जाती है इन नियमों का पालन केवल बच्चों से नहीं, माता-पिता से भी कराया जाना चाहिए। संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि मोबाइल का विकल्प दीजिए बच्चे को केवल यह कहना कि मोबाइल मत देखो पर्याप्त नहीं है। उसके सामने विकल्प भी होना चाहिए। बच्चे को यदि वास्तविक दुनिया में आनंद मिलेगा तो आभासी दुनिया पर उसकी निर्भरता स्वत: कम होगी बुजुर्गों के लिए उन्हें समय देना सबसे बड़ी दवा है। बुजुर्गों को सबसे अधिक आवश्यकता महँगी वस्तुओं की नहीं, अपनेपन की होती है।परिवार प्रतिदिन कुछ समय उनके साथ बैठे। उनसे उनके बचपन की बातें पूछे। उनके अनुभव सुने। पुरानी तस्वीरें देखें। उनके साथ टहलने जाएँ। उन्हें घर के छोटे-छोटे निर्णयों में शामिल करें। उनसे पूछा जाए आप क्या सोचते हैं यह छोटा-सा प्रश्न किसी बुजुर्ग को यह एहसास दिला सकता है कि वह अभी भी परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन भी बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सामाजिक समर्थन, सामुदायिक गतिविधियों, समूहों, रचनात्मक गतिविधियों और स्वयंसेवी सहभागिता जैसे उपायों को महत्वपूर्ण मानता है ।घर में 'नो-स्क्रीन टाइम' होना चाहिए।प्रतिदिन कम-से-कम एक ऐसा समय होना चाहिए जब परिवार के सभी सदस्य मोबाइल और अन्य स्क्रीन से दूर रहें।उस समय परिवार बातचीत करे।।एक साथ भोजन कर,टहले,हँसे।पुरानी स्मृतियाँ साझा करे,बच्चे प्रश्न पूछें और बुजुर्ग उत्तर दें।यही संवाद परिवार को मानसिक स्वास्थ्य की पहली सुरक्षा देता है।सोशल मीडिया को वास्तविक जीवन का विकल्प न बनने दें।सोशल मीडिया मित्रता का विकल्प नहीं है। लाइक अपनापन नहीं है और हजारों ऑनलाइन संपर्क वास्तविक सामाजिक संबंधों की गारंटी नहीं देते। बच्चों और युवाओं को यह समझाना होगा कि आभासी दुनिया में दिखाई देने वाला जीवन अक्सर वास्तविक जीवन का पूरा चित्र नहीं होता। दूसरों के जीवन से अपनी तुलना करना आत्मसम्मान और मानसिक शांति को प्रभावित कर सकता है।

नींद और शारीरिक गतिविधि को प्राथमिकता स्क्रीन के कारण देर रात तक जागना बच्चों और युवाओं में विशेष चिंता का विषय है। एप की सलाह में पर्याप्त नींद, दैनिक शारीरिक गतिविधि और सोने के समय उपकरणों से दूरी जैसे स्वस्थ व्यवहारों को प्राथमिकता दी गई है।इसलिए मोबाइल बंद करने का समय उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मोबाइल चलाने का समय। मानसिक परेशानी को 'जिद' न समझें यदि कोई बच्चा लगातार उदास रहता है, चिड़चिड़ा हो गया है, पढ़ाई में रुचि खो रहा है, नींद या भोजन में बड़ा बदलाव आया है, लोगों से कट रहा है अथवा इंटरनेट के बिना अत्यधिक बेचैनी महसूस करता है, तो उसे केवल मोबाइल का आदी कहकर डाँटना उचित नहीं।इसी प्रकार यदि कोई बुजुर्ग लगातार अकेलापन, निराशा, उदासी, भय या सामाजिक दूरी महसूस करता है तो उसे भी उम्र का असर कहकर टालना नहीं चाहिए। ऐसी स्थिति में मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक या योग्य स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

हमें तकनीक छोड़नी नहीं, तकनीक पर नियंत्रण पाना है।विश्व स्वास्थ्य संगठन की युवा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समीक्षा यह स्पष्ट करती है कि तकनीक और मानसिक स्वास्थ्य का संबंध एकतरफा नहीं है। डिजिटल तकनीक शिक्षा, संपर्क और सहायता का माध्यम भी बन सकती है; लेकिन कमजोर परिस्थितियों में इसके नकारात्मक प्रभाव अधिक गंभीर हो सकते हैं। अब सवाल इंटरनेट बनाम जीवन का नहीं है। प्रश्न है इंटरनेट जीवन को चला रहा है या जीवन इंटरनेट को चला रहा है?हमें बच्चों को मोबाइल से नहीं, मोबाइल की गुलामी से बचाना है। हमें बुजुर्गों को इंटरनेट से नहीं, अकेलेपन से बचाना है।घर में एक ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ बच्चा मोबाइल की स्क्रीन से अधिक माता-पिता की आँखों में खुशी खोजे और बुजुर्ग टीवी की आवाज से अधिक अपने बच्चों की आवाज सुनना पसंद करें।तकनीक हमारे जीवन की सहायक बने, हमारी संवेदना की प्रतिस्पर्धी नहीं।

बच्चे के हाथ में मोबाइल देने से पहले उसके हाथ में अपना हाथ रखिए। बुजुर्ग के हाथ में स्मार्टफोन देने से पहले उसके पास कुछ देर बैठिए। शायद मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में सबसे बड़ा समाधान किसी ऐप, किसी मशीन या किसी एल्गोरिद्म में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के लिए निकाले गए समय में छिपा है। आज समाज को स्क्रीन टाइम के साथ-साथ फैमिली टाइम की भी आवश्यकता है। क्योंकि मनुष्य को केवल इंटरनेट से कनेक्शन नहीं चाहिए उसे मनुष्य से मनुष्य का संबंध चाहिए।

- **संजीव ठाकुर,** वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक, स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ़,

आंचलिक

सरदारपुर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी की अध्यक्षता में हुई बीएलबीसी की बैठक

शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और ऋण वितरण में तेजी लाने के दिए निर्देश

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' के अंतर्गत शुक्रवार को सरदारपुर विकासखंड स्तरीय बैंकर्स समिति (बीएलबीसी) की समीक्षा बैठक राजगढ़ स्थित शिव वाटिका में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी ने की, जिसमें अनुविभागीय अधिकारी अजमेर सिंह गौड़ एवं अग्रणी जिला प्रबंधक LDM धार बलराम बैरागी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 के वार्षिक लक्ष्यों, विगत वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों एवं शासकीय ऋण-साख योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए गए, साथ ही PMFME और PM विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को चिह्नित कर त्वरित लाभ दिलाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, PMJJBY, PMSBY, APY, सुकन्या समृद्धि एवं NPS वात्सल्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और अधिक पंजीयन के निर्देश देने के साथ आगामी शुक्रवार को लगने वाले 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' शिविर में बैंकों द्वारा समस्त योजनाओं के तहत अधिकतम ऋण वितरण सुनिश्चित करने को कहा गया। अगस्त माह में सरदारपुर

विकासखंड की C.रू हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई की एक भी शिकायत लंबित न होने पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को भविष्य में भी आवेदनों का समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए गए तथा बैंकों द्वारा 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक चलाए जा रहे 3 माह के सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत खाताधारकों को जागरूक करने की बात कही गई।

इस महत्वपूर्ण बैठक में उद्योग महाप्रबंधक शैलेंद्र चौहान, कृषि सहायक संचालक विजय चौरसिया, NRLM जिला प्रबंधक प्रमोद दोसाने, सहायक आयुक्त जनजाति पारुल जैन, आदिवासी वित्त से सरदार सिंह सिसोदिया, उद्यानिकी सहायक संचालक नीरज सांवलिया, पशुपालन सहायक संचालक डॉ. राकेश सिंह सिसोदिया, RSETI निदेशक काली चरण सेमें, जिला प्रबंधक कार्यालय से विवेक पांडर सहित सरदारपुर विकासखंड की समस्त बैंक शाखाओं के प्रबंधक एवं जनपद पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ई-विकास 2.0 प्रणाली से खाद वितरण, मैन्युअल टोकन बंद; फसल खराब होने पर दोबारा खाद की मांग कर सकेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ● किसानों को ई-विकास 2.0 प्रणाली से मिलेगी खाद। 20 अगस्त से मैन्युअल खाद वितरण पूरी तरह बंद हो चुका है। अब मैन्युअल टोकन भी मान्य नहीं होंगे। किसानों को ई-टोकन के आधार पर खाद दिया जाएगा। मनावर कृषि विभाग के प्रभारी महेश बर्मन ने शुक्रवार को बताया कि ई-विकास 2.0 प्रणाली को किसानों और निजी विक्रेताओं के सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य खाद वितरण को सरल और पारदर्शी बनाना है। किसान अपनी जमीन की पात्रता के हिसाब से पहली बार में जरूरत के मुताबिक एक खाद खरीद सकेंगे। फसलवार दृष्टक (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) की तय मात्रा के मुताबिक या उससे ज्यादा खाद लेने की भी सुविधा रहेगी। अतिरिक्त खाद लेने पर अब 50 शब्दों में कारण लिखने की जरूरत नहीं होगी। ई-विकास 2.0 प्रणाली पोर्टल पर ड्रॉपडाउन में दिए विकल्पों में से कारण चुनना होगा। अब खाद की गिनती प्रति हेक्टेयर बैग के आधार पर होगी। किसान पोर्टल पर फसलवार दृष्टक अनुशंसा के मुताबिक उपलब्ध खाद समूह की जानकारी देख सकेंगे। इसके बाद वे अपनी जरूरत के हिसाब से खाद चुन सकेंगे। टोकन जनरेट होने के 24 घंटे बाद उसे निरस्त करने की सुविधा भी रहेगी। फसल खराब होने पर किसान दोबारा खाद की मांग कर सकेंगे। इसके लिए विशेष सुविधा उपलब्ध रहेगी।

कांग्रेस ने धार की बदहाल व्यवस्थाओं पर उठाए सवाल, खुले चैंबर और कचरे से जताई चिंता

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● आगामी धार्मिक आयोजनों और चल समारोहों से पहले कांग्रेस ने शहर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर चिंता जताई है। कांग्रेस जिला प्रवक्ता अजय सिंह ठाकुर ने प्रशासन से शहर की व्यवस्थाएं जल्द सुधारने की मांग की है। ठाकुर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (ष्टस्ह्र) को पत्र लिखकर खुले चैंबर बंद कराने, नालों में जमा गाद की सफाई कराने और जगह-जगह लगे कचरे के ढेर हटाने की मांग की है। उन्होंने आवारा मवेशियों और श्वानों की समस्या पर भी कार्रवाई की मांग की।

ठाकुर ने बताया कि धार में रक्षा बंधन और जन्माष्टमी सहित कई धार्मिक आयोजन होने वाले हैं। 7 सितंबर को श्री धारेश्वर मंदिर से बाबा धारनाथ की पालकी निकलेगी। इसके बाद गणेश चतुर्थी और आनंद चौदस पर झांकियां और अखाड़े निकलेंगे। इनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि आयोजनों के दौरान शहर में हजारों लोगों की आवाजाही रहेगी। ऐसे में छत्री चौराहे सहित व्यस्त मार्गों पर खुले चैंबर हादसे का कारण बन सकते हैं। इसलिए इन्हें जल्द ढकवाने की जरूरत है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने छत्री चौराहे से श्री धारेश्वर मंदिर तक नाले में जमा गाद की सफाई कराने की मांग की है। साथ ही शहर में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर हटाने की बात कही है। उन्होंने आवारा मवेशियों और श्वानों से होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए भी ठोस कदम उठाने की मांग की। ठाकुर ने कहा कि धार्मिक आयोजनों और चल समारोहों से पहले शहर की व्यवस्थाएं दुरुस्त होना जरूरी है। उन्होंने धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना से मामले में हस्तक्षेप कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आग्रह किया है।

सेन बने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के धार जिला ग्रामीण सह मीडिया प्रभारी

मांडू प्रेस क्लब एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व इंदौर संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत भाजपा धार जिला ग्रामीण प्रभारी राधेश्याम यादव के निर्देश अनुसार भाजपा जिला धार ग्रामीण अध्यक्ष चंचल पाटीदार अनुमोदन उपरांत भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा किधर जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के धार ग्रामीण जिला अध्यक्ष हीरालाल बृजवासी के द्वारा मांडू भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता राहुल सेन मांडव को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा धार जिला ग्रामीण नियुक्त किया गया इस नियुक्ति के बाद मांडू प्रेस क्लब वह भाजपा के कार्यकर्ताओं के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से राहुल सेन मांडव को बधाई एवम शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

रविंद्र मुकाती का एमपीपीएससी सहायक प्रबंधक पद पर चयन

मेरिट सूची में हासिल की 8वीं रैंक

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा जारी सहायक प्रबंधक परीक्षा-2024 (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग) के चयन परिणाम में रविंद्र मुकाती ने शानदार सफलता हासिल की है। उन्होंने मुख्य चयन सूची में अनारक्षित वर्ग (Open Category) से 8वीं रैंक प्राप्त कर परिवार व क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

उत्कृष्ट शैक्षणिक व कार्यानुभव

रविंद्र मुकाती की प्रारंभिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, मूलथान से हुई, जिसके बाद उन्होंने IMS DAVV, इंदौर से उच्च शिक्षा पूरी की। वे प्रतिष्ठित वैश्विक कंसल्टिंग फर्म KPMG तथा स्वास्थ्य मंत्रालय (भारत सरकार), नई दिल्ली में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

पारिवारिक पृष्ठभूमि

रविंद्र मुकाती, सेवानिवृत्त शिक्षक देवीसिंह मुकाती एवं गृहिणी श्रीमती लीला मुकाती के सुपुत्र हैं। उनके छोटे भाई प्रवीण मुकाती वर्तमान में नगर पालिक निगम, उज्जैन में सहायक आयुक्त के पद पर पदस्थ हैं। दोनों भाइयों की प्रशासनिक सेवाओं में उपस्थिति से परिवार, समाज और शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। इस उपलब्धि पर सभी परिजनों एवं वरिष्ठों ने रविंद्र को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

तृषा-गायत्री बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली (एजेंसी) ● बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इतिहास रच दिया। भारतीय जोड़ी ने शुक्रवार को वूमंस डब्ल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। तृषा और गायत्री ने क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 चीन की जिया यी फान और झांग शु शियान को 16-21, 21-15, 21-13 से हराया। इसके साथ ही भारत का टूर्नामेंट के इस एडिशन में एक मेडल पक्का हो गया है। भारत को वूमंस डबल्स में वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल के लिए 15 साल इंतजार करना पड़ा। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। चीन की जोड़ी ने मुकाबले की शुरुआत तेज की और भारतीय जोड़ी को 4-0 से पीछे कर दिया। तृषा और गायत्री ने वापसी करते हुए अंतर कम किया, लेकिन जिया और झांग ने दबाव बनाए रखा और पहला गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने अपना खेल पूरी तरह बदल दिया। बेहतर डिफेंस, तेज स्मैश और नेट पर आक्रामक खेल के दम पर उन्होंने मुकाबले पर पकड़ बनाई। दोनों जोडियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन तृषा-गायत्री ने 21-15 से गेम जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। तीसरे गेम में भी चीन ने शुरुआत में बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय जोड़ी ने जल्द ही लय हासिल कर ली। ब्रेक तक तृषा-गायत्री 11-5 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने लगातार दबाव बनाए रखा और 21-13 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह जीत इसलिए भी खास रही, क्योंकि तृषा और गायत्री इससे पहले जिया यी फान और झांग शु शियान के खिलाफ तीनों मुकाबले हार चुकी थीं।

पारुल गुलाटी बनीं 'दि ट्रेटर्स 2' की चर्चित खिलाड़ी

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री पारुल गुलाटी ने रियलिटी शो दि ट्रेटर्स 2 में अपने बेबाक अंदाज, तेज-तर्रार सोच और निडर खेल से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। शो में मालकिन के नाम से पहचानी जाने वाली पारुल के आत्मविश्वास और मजबूत व्यक्तित्व की सोशल मीडिया पर भी जमकर चर्चा हो रही है। शो में पारुल के खेल और रणनीति की प्रशंसक लगातार तारीफ कर रहे हैं। कई दर्शकों ने उन्हें इस सीजन की सबसे प्रभावशाली खिलाडियों में से एक बताया है। सोशल मीडिया पर उनके लिए मिल रहे संदेशों से भी उनकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। दर्शकों से मिल रहे प्यार पर पारुल ने कहा कि द ट्रेटर्स 2 के बाद मुझे जो प्यार मिल रहा है, वह सच में बहुत ज्यादा और दिल को छू लेने वाला है। एक कलाकार, परफॉर्मर और उद्यमी के तौर पर मेरे लिए इससे ज्यादा खुशी की बात और कुछ नहीं हो सकती कि लोगों ने स्क्रीन पर दिखने वाली मेरी असली शख्सियत से जुड़ाव महसूस किया।

जेवलिन थ्रोअर शिवपाल सिंह पर 10 साल का बैन

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारत के जेवलिन थ्रोअर और टोक्यो ओलंपियन शिवपाल सिंह पर 10 साल का बैन लगाया गया है। वह दूसरी बार डोपिंग का दोषी पाए गए हैं। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी के डिसिप्लिनरी पैनल ने प्रतिबंधित पदार्थ मेथेंडिएनोन के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद यह सजा सुनाई। 31 साल के शिवपाल 2019 एशियन चैंपियनशिप में 86.23 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। वे टोक्यो ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शिवपाल का सैंपल 2021 में हुए आउट-ऑफ-कंपटीशन टेस्ट में स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव आया था। अगस्त 2022 में नाडा के डिसिप्लिनरी पैनल ने उन्हें दोषी मानते हुए चार साल का बैन लगाया था। शिवपाल ने अपील में कहा था कि जिस सप्लीमेंट का उन्होंने इस्तेमाल किया था, उसमें प्रतिबंधित पदार्थ मिला हुआ था। जनवरी 2023 में नाडा के अपील पैनल ने उनका पक्ष स्वीकार करते हुए बैन को चार साल से घटाकर एक साल कर दिया। इसके बाद उन्होंने अप्रैल, 2023 में वापसी की। वापसी के बाद शिवपाल ने जून, 2023 में भुवनेश्वर में नेशनल इंटर-स्टेट चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

यूएस ओपन से वापसी करेंगे अल्काराज, कलाई की चोट के कारण टेनिस से चार महीने रहे दूर

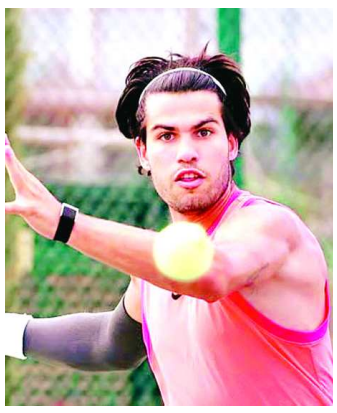

लंदन (एजेंसी) ● स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज चार महीने बाद कोर्ट पर वापसी करेंगे। दाहिनी कलाई की चोट के कारण वह अप्रैल से टेनिस से दूर हैं। अल्काराज ने 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाले यूएस ओपन में खेलने की पुष्टि की है। वह टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन हैं। चोट के कारण अल्काराज फ्रेंच ओपन, विंबलडन, टोरंटो और सिनसिनाटी ओपन में नहीं खेल सके। वह यूएस ओपन से पहले किसी भी वार्म-अप टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। अल्काराज ने अपनी वापसी की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। अल्कराज ने अमरीकी झंडे और प्लेन की इमोजी के साथ पोस्ट किया। अल्काराज ने अप्रैल में बार्सिलोना ओपन से हटने के बाद कोई मैच नहीं खेला। दाहिनी कलाई की चोट के कारण उन्हें करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहना पड़ा। इस दौरान उन्होंने फ्रेंच ओपन और विंबलडन जैसे दोनों बड़े ग्रैंड स्लैम मिस किए। वापसी से पहले उन्होंने स्पेन के मर्सिया में अभ्यास शुरू किया और हाल में डेनमार्क के होल्गर रूने के साथ भी ट्रेनिंग की। इसके बाद उन्होंने यूएस ओपन में खेलने का फैसला किया। चार महीने तक बाहर रहने के बावजूद अल्कराज अभी एटीएफ रैंकिंग में नंबर-2 पर हैं। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जानिक सिनर हैं, जबकि अलेक्जेंडर ज्वेरेव नंबर-3 पर हैं। इसलिए यूएस ओपन में वापसी अल्कराज के लिए सिर्फ खिताब बचाने की चुनौती नहीं, बल्कि रैंकिंग में सिनर से अंतर कम करने का भी मौका होगी।

प्रीति झंगियानी ने कभी नहीं सोचा था एक्ट्रेस बनने के बारे में

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री प्रिति झंगियानी ने अपनी सादगी और मासूमियत से रातोंरात दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। आज प्रीति झंगियानी बॉलीवुड का जाना-पहचाना चेहरा बन चुकी है। प्रीति झंगियानी की कहानी बॉलीवुड में अप्रत्याशित एंट्री, बड़ी सफलता, और फिर अपने शर्तों पर करियर को आगे बढ़ाने की एक अनोखी मिसाल है। फिल्म मोहब्बतें में उनके साथ शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, जिमी शेरगिल, उदय चोपड़ा, शमिता शेट्टी और किम शर्मा जैसे बड़े कलाकार थे, और प्रीति के लिए यह शुरुआत किसी सपने जैसी थी। हैरत की बात यह है कि जिस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दी, उसके लिए उन्होंने कोई ऑडिशन तक नहीं दिया था और न ही उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में सोचा था। यह उनके करियर की एक पूरी तरह से अनियोजित, लेकिन बेहद सफल शुरुआत थी। प्रीति झंगियानी एक सिंधी परिवार में हुआ था। एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले वह मॉडलिंग करती थीं। साल 1997 में उन्हें राजश्री प्रोडक्शंस के म्यूजिक एल्बम ये है प्रेम में काम करने का मौका मिला। इस म्यूजिक वीडियो से उन्हें अच्छी पहचान मिली, और इसके बाद वह कई विज्ञापनों में भी नजर आईं, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ी। फिल्मों में उनकी शुरुआत हिंदी सिनेमा से नहीं, बल्कि दक्षिण भारतीय फिल्मों से हुई। साल 1999 में उन्होंने मलयालम फिल्म मजहविल में काम किया। इसी दौर में वह तेलुगु फिल्म थम्मुडु में भी नजर आईं, जिससे उन्हें साउथ इंडियन इंडस्ट्री में अनुभव मिला। इसके बाद उनके लिए बॉलीवुड का दरवाजा खुला और यहां पहुंचने की कहानी काफी अलग थी।

उज्जैन संभाग

कलेक्टर ने 41 पंचायतों की सुनवाई में सख्ती दिखाई, लापरवाही पर दो आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नोटिस, पंचायत सचिव निलंबित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को बड़नगर में जिलास्तरीय जनविश्वास शिविर आयोजित किया गया। इसमें प्रशासन ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने 41 पंचायतों से आए आवेदनों की सुनवाई करते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कहा, साथ ही शासकीय कार्य में लापरवाही पर कार्रवाई के लिए कहा। शिविर में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी, राजस्व प्रकरण, खाद्यान्न पर्ची, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, बीपीएल, समग्र कार्ड, संबल योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित विभिन्न मामलों की सुनवाई हुई। पात्र लोगों को इन योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया, और लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण-पत्र भी दिए गए।

वहीं ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव नहीं था, उनमें अधिकारियों को समय-सीमा तय कर अगली विकासखंड स्तरीय जनविश्वास शिविर से पहले समाधान के लिए कहा। शिविर के दौरान ग्राम असावदा के दो आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं में लापरवाही सामने आने पर कलेक्टर ने सख्त रुख अपनाया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ज्योति वैष्णव सूचना के बावजूद अनुपस्थित पाई गईं, जबकि सुमित्रा शर्मा के केंद्र पर लाभार्थी मौजूद नहीं थे। इन दोनों मामलों में सात दिवस के मानदेय को राजसात करने के साथ सेवा समाप्ति के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।संबंधित सेक्टर पर्यवेक्षक आशा गट्टानी की निगरानी में लापरवाही पाए जाने पर एक वेतनवृद्धि रोकने की अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए कहा गया। वही ग्राम झालारिया पंचायत के सचिव दिनेश मकवाना पर भी कार्रवाई के लिए कहा गया। कलेक्टर ने देखा कि उन्होंने कल्याणी योजना के एक पात्र लोगो को योजना का लाभ नहीं दिलाया था। इस मामले में कलेक्टर ने पंचायत सचिव को निलंबित करने के निर्देश दिए।

आईएएस दंपती का तबादला, डॉ. नागार्जुन गौड़ा, सृष्टि देशमुख रीवा-सतना जाएंगे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा में पदस्थ आईएएस दंपती डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा और सृष्टि देशमुख का तबादला हो गया है। डॉ. गौड़ा अब सतना नगर निगम के कमिश्नर और स्मार्ट सिटी सीईओ होंगे और सृष्टि देशमुख को रीवा में सीईओ जिला पंचायत की नई जिम्मेदारी मिली हैं। गौड़ा खंडवा में सीईओ जिला पंचायत और देशमुख खंडवा में अपर कलेक्टर की भूमिका में थे। इधर, नये जिला पंचायत सीईओ की कमान 2022 बैच के आईएएस ऐश्वर्य वर्मा को सौंपी गई है। फिलहाल ऐश्वर्य वर्मा डिंडौरी जिले के शहपुरा में एसडीएम के पद पर हैं। खंडवा से स्थानांतरित हुए आईएएस डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा और सृष्टि देशमुख दोनों पति-पत्नी थे, शादी के लिए डॉ. गौड़ा ने कैडर बदला था। वे केरल से एमपी में आए थे। यहां भी यह संयोग है कि शादी के लिए आईएएस श्रद्धा शुक्ला ने कैडर बदला था, उनकी शुरूआती पोस्टिंग तेलंगाना में हुई थी।

हवाई हमला होने पर निपटने के लिए मॉकड्रिल, लोगों को रस्सी से नीचे उतारा

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● नगर निगम परिसर में गुरुवार को हवाई हमले जैसी आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए मॉकड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास में चेतावनी जारी होने से लेकर घायलों को सुरक्षित निकालने, आग बुझाने और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने तक की प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन किया गया। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर हुए संयुक्त अभ्यास में होमगार्ड, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, आपदा मित्र, अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें शामिल हुईं। टीमों ने हवाई हमले में घायल लोगों को प्राथमिक उपचार देने, आग पर काबू पाने, ऊंची इमारत से रेस्क्यू और भीड़ नियंत्रण जैसी परिस्थितियों में अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया। मॉकड्रिल का उद्देश्य वास्तविक आपदा की स्थिति में विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय, रेस्क्यू टीम की प्रतिक्रिया और मौके पर निर्णय लेने की क्षमता को परखना था। अधिकारियों ने राहत-बचाव कार्य के दौरान विभागों के बीच त्वरित तालमेल पर भी जोर दिया। नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार ने कहा कि ऐसे संयुक्त अभ्यास से आपदा के समय की तैयारियों की समीक्षा के साथ प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियों, स्वयंसेवी संगठनों और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय विकसित होता है। मॉकड्रिल में जिला सेनानी राजेश जैन, कंपनी कमांडर वीणा कौशल, प्लाटून कमांडर माखन सिंह पवार सहित सिविल डिफेंस और आपदा मित्र की टीमें मौजूद रहीं।

मंगलनाथ मंदिर में नई जलाधारी अर्पि, 20 किलो चांदी से बनी, 50 लाख रुपए है कीमत

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मंगलनाथ मंदिर में शुक्रवार को भगवान मंगलनाथ को लगभग 20 किलोग्राम चांदी से निर्मित नई जलाधारी अर्पित की गई। हैदराबाद के अमर ओहरी और सोनल ओहरी ने यह जलाधारी दान की है, जिसकी अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए बताई गई है। इसकी स्थापना के लिए मंदिर में पूरे वैदिक विधान से पूजन, यज्ञ और अनुष्ठान संपन्न कराया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी महंत अक्षय भारती ने बताया कि भगवान की पूर्व जलाधारी वर्ष 2007 में स्थापित की गई थी। लंबे समय तक उपयोग के कारण उसमें कई छोटे-छोटे छेद हो गए थे। इन छेदों के कारण सेवा और आरती के दौरान पुजारियों, श्रद्धालुओं और यजमानों को असुविधा होती थी। कई बार ये छेद हाथों में चुभ जाते थे।इसी समस्या को देखते हुए नई जलाधारी स्थापित करने की आवश्यकता महसूस की गई। पुजारी के अनुसार, भगवान की प्रेरणा से हैदराबाद के यजमान अमर ओहरी और सोनल ओहरी ने लगभग 20 किलोग्राम चांदी दान कर नई जलाधारी तैयार कराने का संकल्प लिया। यजमानों की भावना के अनुरूप, जलाधारी की नाप लेकर लगभग 20 किलोग्राम चांदी से नई जलाधारी तैयार की गई, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपए है। इसकी स्थापना से पूर्व विद्वान आचार्यों द्वारा विधिवत पूजन, हवन और यज्ञ कराया गया। मंदिर प्रशासन के अनुसार, गर्भगृह में पुरानी जलाधारी हटाकर नई स्थापित करने के लिए निर्धारित मुहूर्त में प्रक्रिया शुरू की गई। इस दौरान लगभग सात घंटे तक गर्भगृह के कपाट बंद रहे और श्रद्धालुओं का प्रवेश प्रतिबंधित रहा। मुख्य पुजारी महंत अक्षय भारती ने बताया कि नई जलाधारी स्थापित होने के बाद भगवान मंगलनाथ का स्वरूप पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट और पूर्ण दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पुरानी जलाधारी के कारण भगवान का स्वरूप पूरी तरह निखरकर सामने नहीं आ पा रहा था।

2 हजार के डिवाइस से 9 चोर गिरफ्तार, चोरी से परेशान होकर बनाया था अलर्ट सिस्टम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● देवास रोड स्थित सांची पार्लर संचालक विशाल सिंह जादौन ने चोरी की घटनाओं से परेशान होकर एक अलर्ट सिस्टम तैयार किया। वर्ष 2012 में करीब 2 हजार रुपए की लागत से बने इस टावर बेस्ड डिवाइस की मदद से वे अब तक 9 बार चोरों को पकड़ने में पुलिस की मदद कर चुके हैं। ऋषि नगर निवासी विशाल जादौन ने 14 दिसंबर 2003 को सांची पार्लर शुरू किया था। आसपास झाड़ियां और दुकान का स्ट्रक्चर कमजोर होने के कारण यहां आए दिन चोरी होती थी। एक दिन उन्होंने दुकान में चूहा पकड़ लिया। इसके बाद उनके मन में विचार आया कि जब डिवाइस से चूहे को पकड़ा जा सकता है, तो ऐसी तकनीक क्यों नहीं बनाई जा सकती, जिससे चोर के दुकान में घुसते ही जानकारी मिल जाए। करीब 6 से 8 महीने के प्रयोग के बाद उन्होंने सिस्टम तैयार किया।

मोबाइल पर आता है अलर्ट

यह टावर बेस्ड सिस्टम है, जिसमें दुकान के अलग-अलग हिस्सों को एक्टिवेट किया जा सकता है। संदिग्ध गतिविधि होते ही सिस्टम मोबाइल पर अलर्ट मैसेज भेजता है और लस्रूके जरिए कॉल भी आती है। इसके बाद विशाल संबंधित थाना और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना देते हैं। हाल ही में रात करीब 1:15 बजे अलार्म एक्टिव हुआ। पुलिस के साथ मौके पर पहुंचने के बाद माधवनगर थाना क्षेत्र के पुलिसकर्मी ने दुकान के अंदर मौजूद एक आरोपी को पकड़ लिया।

हमले के बाद पुलिस की मदद लेने लगे

विशाल ने बताया कि शुरुआत में वे खुद चोरों का पीछा कर उन्हें पकड़ने की कोशिश करते थे। एक बार कंजर गिरोह के सदस्य ने उनकी उंगली काट दी थी। इसके बाद उन्होंने अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस की मदद से चोरों को पकड़ना शुरू किया। उन्होंने बताया कि पुलिस और कंट्रोल रूम ने कई बार सूचना मिलने पर तुरंत रिस्पांस दिया। विशाल ने पुलिस प्रशासन के सहयोग की तारीफ भी की।

निगम में 30 साल पहले 89 सफाई मित्रों की भर्ती में घोटाला, पेंशन मांगी तो हुआ खुलासा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम में जो कांड हो जाए, कम है। नगर निगम में 89 सफाई मित्र (हरिजन बेलदार) से 30 साल तक सेवाएं ली गईं। जब यह रिटायर हुए और पेंशन मांगी तो निगम को याद आया कि इनकी भर्ती में घोटाला हुआ था। पेंशन देने से मना कर दिया गया। इंदौर नगर निगम में 89 सफाई मित्रों की पेंशन और ग्रेच्युटी से जुड़ी एक फाइल करीब एक साल से चल रही है। इन सफाई मित्रों की भर्ती अगस्त 1997 में हुई थी और वे साल 2025 तक नगर निगम में काम करते रहे।

रिटायरमेंट के बाद जब उन्होंने पेंशन और ग्रेच्युटी की मांग की तो मामला अधिकारियों के पास पहुंचा। इसके बाद पुरानी भर्ती की फाइल निकाली गई। जांच में अधिकारियों ने दावा किया कि इनकी भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई थी और इसे अवैध बताया गया।

इसके बाद इन कर्मचारियों की पेंशन रोक दी गई। अब यह मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है, जहां इस पर सुनवाई हो रही है।

लोकायुक्त में हुई शिकायत, इन पार्षदों, अधिकारियों के नाम

इस भर्ती को लेकर कमल सधवानी नाम के व्यक्ति ने लोकायुक्त में शिकायत की। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को गलत बताते हुए सवाल उठाए। शिकायत में तत्कालीन पार्षद छोटू शुक्ला, रामलाल यादव और अनिल शुक्ला की चयन समिति पर आरोप लगाए गए। इसके अलावा तत्कालीन निगम उपायुक्त विजय शंकर उपाध्याय, चीफ हेल्थ ऑफिसर अरविंद पुराणिक और निगम सचिव बंशीला जोशी का नाम भी सामने आया। आरोप है कि ये सभी लोग चयन समिति और नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े हुए थे।

कब, कैसे हुई भर्ती-नगर निगम के हेल्थ विभाग के जोन-18 में हरिजन बेलदार की सीधी भर्ती के लिए अगस्त 1994 में विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें 77 पदों पर भर्ती निकाली गई थी। लेकिन बाद में चयन समिति ने इंटरव्यू के जरिए 77 की जगह 89 लोगों को भर्ती दे दी। इन सभी को अगस्त 1997 में नियुक्ति मिली। कर्मचारियों को फिक्स पे पर रखा गया और इन्हें सफाई मित्र का नाम दिया गया।

हाईकोर्ट ने पार्षदों को बरी किया-इस मामले में साल 2015 में तत्कालीन पार्षदों और चयन समिति के सदस्य छोटू शुक्ला, रामलाल यादव और अनिल शुक्ला ने लोकायुक्त की कार्रवाई पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता और अन्य नियमों की जांच करना निगम अधिकारियों की चयन समिति की जिम्मेदारी थी। उनका काम सिर्फ इंटरव्यू लेना था।

नियुक्ति में यह घोटाला लोकायुक्त ने पाया

नियुक्ति प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर लोकायुक्त ने इन सभी को आरोपी बनाया है। साल 2007 में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया था और 2009 में कोर्ट में चालान पेश किया गया था। जांच में सामने आया कि 77 पदों के लिए निकली भर्ती में 89 लोगों को नियुक्ति दे दी गई। इनमें 23 उम्मीदवार तय उम्र सीमा के दायरे में नहीं थे। वहीं 39 उम्मीदवारों के पास न्यूनतम पांचवीं पास की योग्यता भी नहीं थी। इसके अलावा 63 लोगों का रोजगार कार्यालय में पंजीयन नहीं मिला। जांच एजेंसी ने माना कि भर्ती प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी हुई और इसमें गड़बड़ी की गई।

एमपी-यूपी के बीच 2000 मेगावाट बिजली खरीद का करार, 14 हजार करोड़ का निवेश

मौसमी मांग के हिसाब से दोनों राज्य करेंगे बिजली संसाधनों का बेहतर उपयोग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश ने अपनी अलग-अलग मौसमी बिजली मांग का फायदा उठाते हुए बिजली संसाधनों के बेहतर उपयोग और खरीद लागत कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच पूरक बिजली खरीद और दीर्घकालिक फर्म पावर बैंकिंग व्यवस्था के लिए शुक्रवार को लखनऊ में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते के तहत दोनों राज्यों ने 2000 मेगावाट पीक बिजली क्षमता की प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से खरीद शुरू करने पर सहमति जताई है। एमओयू पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक (गैर-पारंपरिक ऊर्जा) जीएस खनूजा और उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के निदेशक (योजना) दीपक रैजादा ने हस्ताक्षर किए। इस पहल से बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में करीब 14 हजार करोड़ रुपये के निवेश की संभावना जताई गई है। इससे नई बिजली और ऊर्जा अवसंरचना विकसित होने के साथ रोजगार के अवसर बढने और स्वच्छ ऊर्जा क्षमता के विस्तार को भी गति मिलने की उम्मीद है। इस समझौते का आधार दोनों राज्यों में बिजली की मौसमी मांग का अलग-अलग समय पर बढना है। मध्यप्रदेश में अक्टूबर से मार्च के दौरान रबी सीजन में कृषि क्षेत्र की बिजली मांग बढ़ती है। वहीं उत्तर प्रदेश में मई से सितंबर के दौरान खरीफ सीजन और गर्मी के कारण बिजली की मांग अधिक रहती है। इस तरह एक राज्य में कम मांग के समय उपलब्ध अतिरिक्त बिजली का दूसरे राज्य में अधिक मांग के समय उपयोग किया जा सकेगा। इससे बिजली उत्पादन क्षमता का बेहतर इस्तेमाल होगा और दोनों राज्यों की महंगी अल्पकालिक बिजली खरीद पर निर्भरता कम हो सकती है।

जरूरत के समय मिलेगी अतिरिक्त बिजली

एमओयू में दीर्घकालिक फर्म पावर बैंकिंग व्यवस्था विकसित करने पर भी सहमति बनी है। इसके तहत जिस राज्य में कम मांग के समय अतिरिक्त बिजली उपलब्ध होगी, उसे दूसरे राज्य को उसके अधिक मांग वाले समय में उपलब्ध कराया जा सकेगा। इस व्यवस्था से सालभर बिजली संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। साथ ही ग्रिड में लचीलापन बढ़ेगा, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता में सुधार हो सकता है।

बिल्डर्स और सूखदारों पर फिर मंडराया खतरा, लॉरेंस गैंग से जुड़े 5 आरोपियों को मिली जमानत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के बिल्डर्स और अमीरों पर फिर लॉरेंस विश्नोई गैंग का खतरा मंडरा रहा है। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने एक के बाद एक कई आरोपियों को पकड़ा था। इसमें से अब पांच लोगों को जमानत मिल चुकी है।

इंदौर के बिल्डर विवेक दम्मानी के साथ ही रंजन मित्तल, चेतन सिंह, कुंवर सिंह से करोड़ों की वसूली के लिए लॉरेंस विश्नोई गैंग ने तैयारी की थी। इसमें खरगोन के दिलीप सिंह राठौड़ के यहां मार्च 2026 में यह गैंग पहले भी फायरिंग कर चुकी थी।

फरवरी से अप्रैल माह तक इस गैंग का इंदौर और मध्यप्रदेश के अन्य जिलों में काफी खौफ रहा है। साथ ही धमकी भरे फोन आए हैं। इसके बाद क्राइम ब्रांच इंदौर ने एक के बाद एक कई लोगों को पकड़ा। लेकिन अब इसमें पांच आरोपियों को जमानत मिल गई है। हालांकि राहत की बात ये है कि इनमें से कई आरोपी अभी जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे।

इन सभी को मिली जमानत

इसमें नाना उर्फ रोहित वर्मा को अभी जिला कोर्ट से 50 हजार की गारंटी पर जमानत मिली है। इस पर आरोप है कि इसने फायरिंग कराने के लिए लॉरेंस गैंग को लड़के उपलब्ध कराए थे। इसके साथ ही राहुल सिंह और कुलदीप सिंह चौहान को हाईकोर्ट से 50-50 हजार की शर्त पर जमानत की मंजूरी देने का आदेश 14 अगस्त को पारित हुआ है। वहीं सचिन उर्फ वेदप्रकाश को भी 17 अगस्त को जमानत मंजूर हो गई। इसके साथ ही सोनू उर्फ रितेश खंगार की भी जमानत हो गई है।

क्योंकि इन पर और भी एफआईआर दर्ज है जिसमें जमानत मिलना बाकी है।

कौन आरोपी क्या कर रहा था-पुलिस की जांच में सामने आया था कि, राजपाल चंद्रावत, सचिन शर्मा और कुलदीप सिंह चौहान मिलकर रसूखदारों को धमकाने के काम में लगे थे। राजपाल ने खुद को लॉरेंस गैंग का बताया था।

टनल के दोनों छोर पर बनेगा खूबसूरत स्ट्रक्चर, स्थानीय कला और स्थापत्य को दर्शाने वाले प्रस्तावों पर रेलवे में मंथन

टीही टनल के द्वार पर दिखेगी भोजशाला की झलक, धार में प्रवेश पर होगा ऐतिहासिक एहसास

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना में बन रही टीही टनल अब सिर्फ ट्रेनों के आवागमन का रास्ता नहीं रहेगी। रेलवे इसके दोनों प्रवेश द्वारों को आकर्षक स्वरूप देने की तैयारी कर रहा है, ताकि टनल से गुजरने वाले यात्रियों को क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान की झलक मिल सके। चूंकि टीही टनल पीथमपुर क्षेत्र में है और यह धार जिले में आती है, इसलिए इसके प्रवेश द्वार पर धार की प्रसिद्ध भोजशाला की स्थापत्य शैली को उकेरने का प्रस्ताव भी सामने आया है। हालांकि डिजाइन अभी अंतिम नहीं हुआ है और कुछ प्रस्तावों पर चर्चा चल रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार टनल के प्रवेश द्वार पर क्षेत्रीय संस्कृति, वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाने वाली आकृतियां तैयार की जा सकती हैं। स्थानीय कला, पारंपरिक चित्रकारी और क्षेत्रीय प्रतीकों की नक्काशी के विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि टनल का स्ट्रक्चर तकनीकी जरूरत पूरी करने के साथ क्षेत्र की पहचान का हिस्सा भी बने। करीब 2.57 किलोमीटर लंबी टीही टनल के दोनों छोर पर खूबसूरत स्ट्रक्चर तैयार किए जाएंगे। टीही की ओर बनने वाले प्रवेश द्वार के लिए भोजशाला की स्थापत्य शैली से प्रेरित डिजाइन का प्रस्ताव है।

20 मीटर नीचे बन रही टनल

टीही टनल ग्राउंड लेवल से करीब 20 मीटर नीचे बनाई जा रही है। इसकी ऊंचाई और चौड़ाई करीब 8-8 मीटर है। टनल में दो डिग्री के दो कर्व भी हैं। यह इंदौर-दाहोद रेल परियोजना की पहली टनल है और परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्से में शामिल है। टनल का निर्माण वर्ष 2017-18 में शुरू हुआ था। वर्ष 2020 में प्रोजेक्ट फ्रीज होने के बाद टेंडर शॉर्ट टर्मिनेट कर दिए गए और काम बंद हो गया। इस दौरान अधूरी टनल में बारिश का पानी भर गया था। करीब तीन साल बाद जून 2023 में दोबारा काम शुरू किया गया। उस समय टनल का करीब 1121 मीटर हिस्सा बनना बाकी था। 3 जून 2023 को ब्लास्टिंग के साथ काम फिर शुरू हुआ और पानी निकालना बड़ी चुनौती रहा। जून 2024 में टनल के दोनों हिस्से आर-पार दिखाई देने लगे थे और दोनों तरफ से निर्माण आगे बढ़ाया गया।

होटल सयाजी का किचन सील, लाइसेंस रद्द खाने में मिली थी चूहे, कॉकरोच की गंदगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के पांच सितारा होटल का दर्जा प्राप्त सयाजी के किचन में चूहे और कॉकरोच और उनकी गंदगी मिलने के बाद फूड लाइसेंस निरस्त हो गया है। वहीं कलेक्टर शिवम वर्मा ने सख्ती दिखाते हुए किचन सील करने के आदेश दे दिए।

इंदौर पांच सितारा होटल सयाजी के किचन की हालत खराब है। पांच सितारा होने के बाद भी सयाजी के पास सेंट्रल की एफएसएसएआई (स्वस्थ्य) से खाद्य लाइसेंस नहीं है। इसी के चलते टीम वहां गई थी।

लाइसेंस क्योंकि प्रदेश सरकार से है, इस पर कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर फूड आफिसर मनीष स्वामी की टीम भी साथ में गई थी। दोनों की टीम ने संयुक्त निरीक्षण किया। यहां खामियों की भरमार मिली।

प्रशासन की टीम कर रही किचन सील

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि शिकायतों के बाद सयाजी होटल की जांच कराई गई थी। इसमें काफी खामियां पाई गई। इसके बाद यहां लाइसेंस रद्द करने के आदेश किए गए हैं और किचन पर भी कार्रवाई के आदेश हुए हैं। कलेक्टर के आदेश के बाद प्रशासन की टीम किचन सील कर रही है।

पुलिस ने मामला लिया संज्ञान में

जेब्रा क्रॉसिंग पर लेटकर युवती ने कराया वीडियो शूट, वायरल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विजय नगर इलाके में जेब्रा क्रॉसिंग पर लेटकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हुए एक युवती ने वीडियो बनाया। यह वीडियो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने वीडियो बनाने वाली युवती की तलाश आरंभ कर दी है। बताते हैं कि ये वायरल वीडियो विजयनगर के पास का है। बताया जाता है कि प्रकृति गौर नाम की युवती ने बीच सड़क पर जेब्रा क्रॉसिंग पर लेटकर फोटो और वीडियो शूट करवाया है।

वीडियो में वह इंदौर में ट्रैफिक सिग्नल पर वाहनों के रूकने के दौरान वाहनों के आगे आकर लेटकर ट्रैफिक को रोकती दिख रही है। एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने मामला संज्ञान लेकर जांच करने की बात कही है। उन्होंने कहा इस तरह का वीडियो बनाना गलत है, यह ट्रैफिक नियमो का उल्लघंन है। प्रकृति गौर के सोशल मीडिया पर करीब 8 हजार फालोअर्स हैं। युवती का वायरल वीडियो पूरे शहर में चर्चा का विषय बन चुका है।

नगर निगम में नामांतरण घोटाले में 18 दलाल और छह वकील भी शमिल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम के बहुचर्चित नामांतरण घोटाले की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जांचे गए 354 नामांतरण मामलों में से 61 संपत्तियों का नामांतरण संदिग्ध पाया गया है। इन मामलों में 18 दलाल और छह वकीलों की भूमिका सामने आने की बात कही गई है। जांच में यह भी सामने आया कि नामांतरण के लिए अलग-अलग जोनल कार्यालयों और निगम मुख्यालय में निजी लोगों के माध्यम से काम कराया गया। रिपोर्ट में निगम मुख्यालय से जुड़े कई मामलों का उल्लेख है। चर्चित कर्मचारी संजय पवार की भागीदारी वाले चार मामले भी मुख्यालय से संबंधित बताए गए हैं। जोन 4 में चार, जोन 10 और 14 में दो-दो, जबकि जोन 13, 18, 19 और 22 में एक-एक मामले सामने आए हैं।

दो घंटे में किया नामांतरण-रिपोर्ट में आदर्श इंदिरा नगर की एक संपत्ति का मामला भी दर्ज है। संगीता पति राजेश वर्मा ने अधिवक्ता अभिषेक चावला के माध्यम से नामांतरण कराया। रिपोर्ट के अनुसार निगम मुख्यालय से जुड़े व्यक्ति से संपर्क के बाद महज दो घंटे में प्रक्रिया पूरी कर दी गई।

कई तरह की गड़बड़ियां-जांच में 53 ऐसी संपत्तियां मिलीं, जिनका नामांतरण के बाद विक्रय कर दिया गया। 25 मामलों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ, जबकि 16 में नाम सुधार, 15 में नोटरी दस्तावेज के आधार पर नए व्यक्ति के नाम दर्ज करने और 17 मामलों में वारिस के आधार पर नामांतरण किया गया। इसके अलावा 45 मामलों में शासकीय जमीन पर कब्जाधारक का नाम बदलने की जानकारी भी सामने आई है।

सिग्नेचर बुटिक होटल और भवंस स्कूल में मिली खामियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर शुक्रवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन, इंदौर की टीम द्वारा शहर स्थित सिग्नेचर बुटीक होटल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान होटल के किचन में खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी कई कमियां पाई गईं। किचन की फर्श टूटी हुई पाई गई, इससे संक्रमण हो सकता है। खाद्य पदार्थों के भंडारण की भी उचित व्यवस्था नहीं पाई गई। खाद्य पदार्थों पर निर्माण तिथि एवं एक्सपायरी तारीख नहीं थी। काम करने वालों के मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं थे। हेड कैप, एप्रन भी नहीं थे।

मौके से लिए गए सैंपल-निरीक्षण के दौरान सोयाबीन तेल, पनीर एवं मैदा के कुल 3 नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। संबंधित प्रतिष्ठान को पाई गई कमियों के संबंध में नोटिस जारी किया गया है। इनसे 7 दिवस में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त जवाब एवं जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

द भवन प्रॉमिनेंट इंटरनेशनल स्कूल की भी जांच-खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा द भवन प्रॉमिनेंट इंटरनेशनल स्कूल, खसरा नंबर 71, ग्राम पिपलिया कुमार, तुलसी नगर, बॉम्बे हॉस्पिटल, इंदौर का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के कुल 5 नमूने जांच हेतु लिए गए इसमें टोमैटो कैचअप, विनेगर, रेड चिली सॉस, पाव एवं भाजी शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान परिसर में खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता संबंधी कमियां भी पाई गईं। मौके पर चॉपिंग बोर्ड खराब स्थिति में पाया गया।

झोलाछाप डॉक्टरों का गढ़ बना गौतमपुरा : नए-नए फर्जी क्लीनिक आ रहे सामने

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा नगर को झोलाछाप डॉक्टरों ने अपना गढ़ बना लिया है। लगातार नए-नए क्लिनिक फर्जी तरीके से संचालित हो रहे दैनिक इंदौर संकेत की खबर प्रकाशित होते ही झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मच गया। लेकिन जानकारी मैं आपको बता दें गौतमपुरा के हर वार्ड में झोलाछाप डॉक्टरों ने अपना क्लीनिक खोल रखा है। दवाइयो से लेकर जांच के नाम पर कमीशन का मोटा खेल चल रहा देखने में आया कहीं क्लिनिक क्षेत्र में ऐसे हैं जहां अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। सूत्र बताते हैं कि जो इलाज झोलाछाप डॉक्टर नहीं कर सकते है इन मरीजों को अपने सेटिंग वाले डॉक्टर के पास भेजा जाता है। जिससे झोलाछाप डॉक्टरों को मोटा कमीशन मिल सके लेकिन सबसे बड़ा सवाल ना डिग्री है ना परमिशन है ना दवाई गोली बेचने का लाइसेंस है। उसके बावजूद भी झोलाछाप डॉक्टर आखिर किसकी परमिशन से दवाई बेच रहे हैं। क्लीनिक को संचालित कर रहे हैं आखिर क्यों क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों को यह दिखाई नहीं देता क्या इन सब के पीछे लिफाफे का खेल तो नहीं चल रहा सूत्र बताते हैं कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कार्रवाई के लिए जाते लेकिन बिना कार्रवाई करें बेरंग लौट आते हैं इसके पीछे एक सफेद लिफाफे का मोटा राज छुपा है। झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई को लेकर स्वास्थ्य विभाग पर कहीं गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं इतनी अनियमिताओं के बावजूद भी स्वास्थ्य विभाग कार्यवाही नहीं कर सका लेकिन इंदौर संकेत की खबर प्रकाशित होते ही गौतमपुरा के कल कहीं क्लिनिक बंद हो गए कार्यवाही के डर से कल दिन भर शटर डाउन रहे।

कहीं बार देखने में आया है कि डॉक्टर मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करते हैं। नजर आए जहां मरीज गोली दवाई से ठीक हो सकता है वहां उन्हें बोतल और इंजेक्शन लगाए जाते हैं इतना ही नहीं बोतलों के अंदर हाई पावर के इंजेक्शनों का उपयोग किया जाता है। जिससे मरीज एक दिन में ही ठीक हो सके लेकिन इस प्रकार का इलाज शरीर के लिए घातक हो सकता हैं झोलाछाप डॉक्टरों की लैब में तगड़ी सेटिंग होती 40 परसेंट तक का मुनाफा जांच के नाम पर लेब वाले से लेते हैं इस कमीशन के चक्कर में कहीं लोगों की जांच डॉक्टर जबरदस्ती करवा देते हैं इलाज के नाम पर गरीबों की जेब पर खुलेआम डाका डाला जा रहा है। लेकिन कुंभकरण की नींद सोया स्वास्थ्य विभाग आखिर कब जागेगा और गौतमपुरा में झोलाछाप डॉक्टर पर कार्यवाही करेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।